घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22,अंक - 96- गुरूवार 05- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

लोकसभा स्पीकर के ऑफिस में हंगामा...विपक्ष और बीजेपी सांसदों में बहस

निशिकांत सदन में किताबें दिखाकर बोले... इनमें गांधी परिवार की गद्दारी-मक्कारी का जिक्र

नई दिल्ली,04 फरवरी 2026। संसद में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के ऑफिस में विपक्ष और बीजेपी सांसदों के बीच बहस हुई है। ऑफिस का जो वीडियो सामने आया है इसमें विपक्ष की महिला सांसद केंद्रीय संसदीय मंत्री किरेण रिजिजू से कुछ कहती नजर आ रही हैं। वहीं,लोकसभा में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने गांधी परिवार और कांग्रेस पर लिखी किताबें और नोट्स दिखाए। उन्होंने कहा इन किताबों में गांधी परिवार और कांग्रेस परिवार की मक्कारी,गद्दारी,भ्रष्टाचार और अय्याशी का जिक्र है। निशिकांत की कोट की गई किताबों में एडविना एंड नेहरू, रेमिनिसेंस ऑफ द नेहरू एज,द रेड साड़ी, एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर समेत दूसरी किताबें और नोट्स दिखाए। आज फिर चेयर की तरफ विपक्षी सांसदों ने पेपर उड़ाए।

पीयूष गोयल ने कहा...अमेरिका और भारत की ट्रेड डील ऐतिहासिक...

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने लोकसभा में अमेरिका से टैरिफ डील पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि डील ऐतिहासिक है। भारत के कृषि और खाद्य क्षेत्र का पूरा ध्यान रखा गया है। यह डील भारत के विकास में बेहद फायदेमंद होगी। गोयल के भाषण के दौरान विपक्षी सांसद हंगामा करते रहे।

खड़गे बोले...देश में बुलडोजर पॉलिटिक्स हो रही है...

देश खतरनाक दौर से गुजर रहा। भारत की पहचान डाइवर्सिटी और थॉट्स की प्रैक्टिस रही है। उत्तराखंड में सद्भावना को मार दिया गया। जब रक्षक ही भक्षक बन जाए तो कैसे सुरक्षा मिलेगी। आपके पास सहिष्णुता नहीं है। आप केवल वोटों के लिए लड़ते हैं। भाजपा के एक सीएम मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाकर बयान दे रहे। ये सीएम हमेशा मुसलमानों के खिलाफ बात करते हैं। देश में सिलेक्टिव टार्गेटिंग और बुलडोजर पॉलिटिक्स का इस्तेमाल हो रहा है। नड्डा जी आपकी मजबूरी है कि मोदी का समर्थन कर रहे हैं। मोदी केरल में चुनाव आने पर चर्च में जाते हैं लेकिन उन पर होने वाले अत्याचार पर खामोश रहते हैं। इसाइयों और मसुलमानों के खिलाफ जहर उगले बिना भाजपा के लोगों को खाना हजम नहीं होता। आपको पावर मिला है उसका ठीक से इस्तेमाल करो देश की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। राष्ट्रपति जिन्होंने गरीब और कमजोर की पीड़ा को खुद देखा है। उनके भाषण में उसका जिक्र नहीं था। पीएम संसद में सवालों से बचते हैं। 16वीं 17वीं लोकसभा में 8123 सवाल पूछे गए। सिर्फ 13 पर जवाब दिया किया। बाकी सब खारिज हो गए। स्टेटहुड पर जम्मू और कश्मीर और लद्दाख पर मेरे सवालों को खारिज कर दिया।

गोयल बोले...यह समझौता 'विकसित भारत 2047' की दिशा में कदम

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर कहा...यह ऐतिहासिक और संरचनात्मक समझौता भारत-अमेरिका संबंधों को मजबूत करने और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में एक बड़ा कदम है। गोयल ने कहा कि यह समझौता दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच मजबूत साझेदारी को दर्शाता है। भारत और अमेरिका स्वाभाविक साझेदार हैं और साझा समृद्धि के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

अखिलेश बोले...अमेरिका से समझौता 'डील' नहीं 'ढील'

सपा सांसद अखिलेश यादव ने अमेरिका-भारत डील को ढील कहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने पूरा भारतीय बाजार अमेरिका के हवाले कर दिया है। अगर अमेरिका से डेयरी उत्पाद आएंगे तो सनातनियों और देश के लोगों का व्रत कैसे 'सनातनी' रहेगा, इस पर सोचना होगा। यह चिंता का विषय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा हमेशा चर्चा से बचने की कोशिश करती है। जब नेता प्रतिपक्ष और अन्य दल चीन के मुद्दे पर चर्चा और जानकारी चाहते हैं, तब भाजपा पीछे हट जाती है।

राहुल ने नरवणे की किताब दिखाई,बोले... पीएम को दूंगा,केंद्रीय मंत्री को गद्दार बताया

बिट्टू ने कहा...देश के दुश्मनों से लेना-देना नहीं

नई दिल्ली,04 फरवरी 2026। आर्मी चीफ एमएम नरवणे की जिस किताब को लेकर संसद में दो दिन से हंगामा हो रहा है। राहुल गांधी बुधवार को वही किताब लेकर संसद पहुंचे। उन्होंने कहा कि अगर आज पीएम आए तो उन्हें यह किताब दूंगा। राहुल ने किताब का वह पेज खोलकर दिखाया, जिसमें लिखा है कि प्रधानमंत्री ने आर्मी चीफ से कहा था...जो उचित समझो वह करो!। राहुल ने कहा कि सरकार और रक्षा मंत्री कह रहे है कि किताब का अस्तित्व नहीं है। देखिए यह रही किताब। राहुल ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि प्रधानमंत्री आज लोकसभा में आने की हिम्मत करेंगे। अगर प्रधानमंत्री आते हैं तो मैं खुद जाकर उन्हें यह किताब सौंपूंगा, ताकि वे इसे पढ़ सकें और देश को इसके बारे में पता चल सके।

लोकसभा में नरवणे की किताब के अंश पढ़ना चाहते हैं राहुल

लोकसभा में दो दिन से पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की अनपब्लिश्ड बुक पर हंगामा हो रहा है। इसके चलते कई बार सदन स्थगित हो चुका है। राहुल इस किताब के अंश लोकसभा में पढ़ना चाहते हैं। स्पीकर ओम बिरला ने इसकी इजाजत नहीं दी है। इधर,कांग्रेस के कुछ सांसदों ने बजट सत्र के छठे दिन संसद के मकर द्वार के पास प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान राहुल गांधी ने रवनीत सिंह बिट्टू को पास से गुजरते देखकर कहा कि देखो एक गद्दार आ रहा है, देखिए इसका चेहरा। राहुल गांधी ने हाथ मिलाने

की पेशकश करते हुए कहा कि हैलो भाई,मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो,आप वापस (कांग्रेस में) आ जाओगे। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने हाथ नहीं मिलाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए जवाब दिया कि देश के दुश्मनों से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

रवनीत सिंह बिट्टू पहले कांग्रेस में थे...

रवनीत सिंह बिट्टू 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी में शामिल हुए थे। इससे पहले वे तीन बार कांग्रेस सांसद रह चुके हैं। वे पहली बार 2009 में आनंदपुर साहिब से लोकसभा के लिए चुने गए थे। इसके बाद 2014 और 2019 में उन्होंने लुधियाना से जीत हासिल की। 2024 लोकसभा में उन्होंने लुधियाना से पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वारिंग के खिलाफ चुनाव लड़ा और करीब 20 हजार वोटों से हार गए।

बंगाल में ही क्यों,असम में क्यों नहीं हुआ एसआईआर : सीएम ममता

पश्चिम बंगाल की सीएम सुप्रीम कोर्ट में हुई पेश

नई दिल्ली,04 फरवरी 2026। पश्चिम बंगाल में बहुत जल्द विधानसभा चुनाव 2026 होने हैं,वहां वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को लेकर चल रहे विवाद के बीच, सीएम ममता बनर्जी बुधवार को सुप्रीम कोर्ट पहुंचीं। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एसआईआर मामले की सुनवाई की। इस संबंध में सीएम कोर्ट के सामने पेश हुईं। सुनवाई से पहले सीएम ममता बनर्जी, टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी के घर से सुप्रीम कोर्ट के लिए निकलीं। सुप्रीम कोर्ट में भारी सुरक्षा व्यवस्था थी। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया को तमिलनाडु में वोटर रोल के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दौरान लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी लिस्ट में कैटेगरी में आए वोटर्स के नाम पब्लिश करने का निर्देश दिया था। सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच ने तमिलनाडु में एसआईआर प्रोसेस को प्रोसेस में गड़बड़ी के आधार पर चुनौती देने वाली कई पिटीशन पर सुनवाई करते हुए ये निर्देश जारी किए। सुनवाई के दौरान ममता बनर्जी कोर्ट में मौजूद रहीं। उन्होंने अपना केस लड़ने और बहस करने की इजाजत मांगी थी। सीजेआई ने ममता से कहा कि वे अपने वकील को मामले पर बहस करने दें और जवाब दाखिल करने के लिए दो दिन का समय दिया। बेंच ने कहा कि वह सोमवार को मामले पर फिर से सुनवाई करेगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ममता का कहना है कि वे माइक्रो-ऑब्जर्वर नियुक्त करके सिर्फ बंगाल को निशाना बना रहे हैं। ममता ने कहा कि डेमोक्रेसी बचाइए। इस पर सीजेआई ने ममता को नोटिस जारी किया है। ममता ने कहा...कि 100 से ज्यादा लोग मर चुके हैं और कई बीएलओ की मौत हो चुकी है और परेशान किया जा रहा है। इसके साथ-साथ पूछा कि असम में एसआईआर क्यों नहीं हुआ, बंगाल में ही क्यों हुआ। सीजेआई ने कहा कि कोर्ट सीएम के उठाए गए मुद्दों पर जवाब देने के लिए चुनाव आयोग को एक दिन का समय देने को तैयार है। सीएम ममता ने कहा कि एसआईआर के जरिए बंगाल को टारगेट क्यों किया जा रहा है, असम को खुली छूट दी जा रही। वहीं सीएम ममता ने चुनाव आयोग को व्हाट्सऐप आयोग कहा।

मिथिला की संस्कृति,लोकपरंपरा और कला के विविध आयामों को गैलरी में प्रमुखता से दर्शाएं : योगी आदित्यनाथ

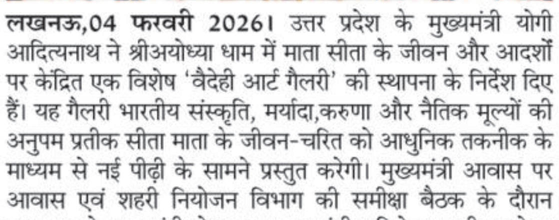

लखनऊ,04 फरवरी 2026। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रीअयोध्या धाम में माता सीता के जीवन और आदर्शों पर केंद्रित एक विशेष 'वैदेही आर्ट गैलरी' की स्थापना के निर्देश दिए हैं। यह गैलरी भारतीय संस्कृति, मर्यादा,करुणा और नैतिक मूल्यों की अनुपम प्रतीक सीता माता के जीवन-चरित को आधुनिक तकनीक के माध्यम से नई पीढ़ी के सामने प्रस्तुत करेगी। मुख्यमंत्री आवास पर आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान बुधवार को मुख्यमंत्री ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की रूपरेखा साझा की। उन्होंने कहा कि सीता मइया भारतीय सभ्यता की आत्मा हैं और उनका जीवन त्याग,धैर्य,साहस,करुणा और नारी शक्ति का अद्वितीय उदाहरण है। नई पीढ़ी को उनके चरित्र से गहराई से परिचित कराना आज के समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि 'वैदेही आर्ट गैलरी' केवल एक पारंपरिक कला-संग्रहालय नहीं होगी, बल्कि यह एक जीवंत सांस्कृतिक अनुभव-स्थल के रूप में विकसित की जानी चाहिए। इसमें सीता माता के जीवन प्रसंगों का आधुनिक तकनीक,डिजिटल माध्यम,दृश्य-श्रव्य प्रस्तुति और कलात्मक अभिव्यक्ति के जरिए पुनर्पाठ किया जाएगा। उन्होंने निर्देश दिया कि गैलरी की कथा-वस्तु, डिजाइन, विजुअल भाषा, कला और तकनीकी प्रस्तुति इस भावना को प्रतिबिंबित करे कि यह एक दिव्य और शाश्वत विरासत है, जिसे भावी पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत के रूप में संरक्षित और प्रस्तुत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस गैलरी की मूल अवधारणा यह होनी चाहिए कि आगंतुक सीता माता के जीवन-संदेश को केवल देखें ही नहीं, बल्कि उसे महसूस करें, समझें और अपने जीवन में आत्मसात करें। गैलरी में ऐसा वातावरण निर्मित किया जाए, जिससे दर्शक भावनात्मक और सांस्कृतिक रूप से जुड़ सकें।

युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बने

नगा समुदाय के लोसी दिखो-कुकी से नेमचा किपगेन डिप्टी सीएम,356 दिन बाद राष्ट्रपति शासन हटा...

नई दिल्ली,04 फरवरी 2026। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें मुख्यमंत्री बने हैं। राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने बुधवार शाम को लोकभवन में खेमचंद को गोपनीयता की शपथ दिलाई। मैतेई समुदाय से आने वाले खेमचंद पूर्व सीएम बीरेन सिंह के करीबी माने जाते हैं। नगा समुदाय से आने वाले लोसी दिखो को डिप्टी सीएम पद की शपथ दिलाई गई है। वे नगा पीपुल्स फ्रंट के विधायक हैं। उनके अलावा कुकी समुदाय से आने वालीं नेमचा किपगेन ने भी डिप्टी सीएम पद की शपथ ली है। उन्होंने दिल्ली स्थित मणिपुर भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए शपथ ली। वे राज्य की पहली महिला डिप्टी सीएम हैं। राज्य में एक बार फिर एनडीए की सरकार बनी है। आज ही राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने राज्य में 356 दिन से लगा राष्ट्रपति शासन हटाया है। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा के कारण 9 फरवरी 2025 को तत्कालीन सीएम एन. बीरेन सिंह ने इस्तीफा दिया था। इसके 4 दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। वहीं, राज्य के गृह मंत्री के लिए कोंथौजम गोविंदास सिंह का नाम चर्चा में है।

बैठक में युमनाम खेमचंद सिंह के नाम पर मुहर लगी...

3 फरवरी को दिल्ली में मणिपुर भाजपा के विधायक दल की बैठक हुई थी। इसमें भाजपा विधायक युमनाम खेमचंद सिंह को विधायक दल का नेता चुना गया था। 4 फरवरी को एनडीए के घटक दलों के विधायकों की बैठक में सीएम और डिप्टी सीएम के नामों पर मुहर लगी।

युमनाम खेमचंद बीरेन सिंह के नजदीकी,लेकिन कट्टर मैतेई नहीं

युमनाम खेमचंद सिंग्जामेई क्षेत्र (इंफाल वेस्ट) से भाजपा विधायक हैं। 2017-2022 तक मणिपुर विधानसभा स्पीकर रहे। 2022 में पूर्व मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह की दूसरी सरकार में मंत्री रहे। वे मैतेई समुदाय से आते हैं, जो मणिपुर के घाटी क्षेत्र में बहुसंख्यक हैं। बीरेन सिंह के साथ नजदीकी भी हैं। हाल के महीनों में वे शांति प्रयासों में सक्रिय रहे हैं। मई 2023 हिंसा के बाद दिसंबर 2025 में कुकी बहुल इलाकों और रिलीफ कैंप का दौरा करने वाले वे पहले मैतेई नेता हैं। बीरेन सिंह की तुलना में मध्यमार्गी माने जाते हैं। यही बात इन्हें कट्टर मैतेई लाइन से अलग करती है।

डिप्टी सीएम बनने वाली नेम्चा बीरेन सरकार में मंत्री रह चुकीं

नई सरकार में कुकी-जो समुदाय को संतुष्ट करने के लिए नेम्चा किप्गेन को उपमुख्यमंत्री बनाया जा रहा है। नेम्चा 2017 और 2022 में कुकी बहुल कांगपोकपी से भाजपा की विधायक हैं। बीरेन सिंह के पहले कार्यकाल (2017-2020) में उन्होंने सामाजिक कल्याण एवं सहकारिता मंत्री का पद संभाला। बीरेन सिंह के दूसरे कार्यकाल में वे वाणिज्य एवं उद्योग,वस्त्र एवं सहकारिता विभाग की कैबिनेट मंत्री हैं। मैतेई-कुकी जाति हिंसा के दौरान इम्फाल में उनका सरकारी आवास जला दिया गया था। वे उन 10 कुकी-जो विधायकों में हैं, जिन्होंने पहाड़ी क्षेत्रों के लिए अलग प्रशासन की मांग की थी।

सभी औषधियों में हंसना श्रेष्ठ औषधि,यह बिना मूल्य के उपलब्ध होती है : पीएम मोदी

नई दिल्ली,04 फरवरी 2026। पीएम नरेंद्र मोदी ने प्राचीन ज्ञान पर आधारित एक प्रेरणादायक संदेश शेयर किया, जिसमें उन्होंने हंसने को सबसे अच्छी दवा बताया। पीएम मोदी ने बुधवार को एक्स पर सुभाषित शेयर करते हुए लिखा-औषधेष्वपि सर्वेषु हास्यं श्रेष्ठं वदन्ति ह। स्वाधीनं सुलभं चैवारोग्यानन्दविवर्धनम।। इस सुभाषित का संदेश है, कहा गया है कि सभी औषधियों में निश्चय ही हंसना श्रेष्ठ औषधि है,क्योंकि यह आसानी से बिना मूल्य के उपलब्ध हो जाती है व स्वास्थ्य और आनंद की वृद्धि करती है। अतः मुस्कुराते रहें। 53 सेकेंड के वीडियो में इस संस्कृत सुभाषित का हिंदी और अंग्रेजी में अर्थ बताया गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने दिसंबर 2025 से भारतीय परंपरा के कालजयी ज्ञान को आधुनिक नीति और जन-संवाद से जोड़ने के लिए समय-समय पर संस्कृत सुभाषित शेयर करना शुरू किया है। वे अक्सर अपने भाषणों, मन की बात और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए संस्कृत सुभाषित शेयर करते हैं। संस्कृत सुभाषितों को सार्वजनिक

रूप से प्रस्तुत करके पीएम मोदी समकालीन शासन को भारत की सभ्यतागत ज्ञान से सचेत रूप से जोड़ रहे हैं और प्राचीन श्लोकों का उपयोग विकास,स्थिरता,लैंगिक न्याय,नैतिक नेतृत्व और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व जैसी आधुनिक प्राथमिकताओं को समझाने के लिए कर रहे हैं। बता दें पीएम मोदी ने 8 दिसंबर को भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जीवन में संस्कृत की स्थायी प्रासंगिकता को रेखांकित किया। इसके साथ ही दूरदर्शन के सुप्रभातम कार्यक्रम में इसके दैनिक प्रसारण का उल्लेख किया। पीएम मोदी ने कहा कि रोज सुबह इस कार्यक्रम में संस्कृत सुभाषित प्रस्तुत की जाती है, जो मूल्यों और संस्कृति को एक साथ पिरोती है।

गाजियाबाद...मोबाइल गेम की लत 3 बहनें 9वीं मंजिल से कूदीं

सुसाइड नोट में लिखा-सॉरी मम्मी-पापा,गेम नहीं छोड़ पाएंगे

गाजियाबाद,04 फरवरी 2026। गाजियाबाद में तीन सगी बहनों ने नौवीं मंजिल की बालकनी से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक,मंगलवार रात 2 बजे तीनों ने कमरे को अंदर से बंद किया, फिर स्टूल रखकर एक-एक करके बालकनी से छलांग लगा दी। उनकी उम्र करीब 12, 14 और 16 साल है। पिता के मुताबिक, तीनों बेटियों को टास्क-बेस्ड कोरियन लव गेम की लत थी। वे हर वक्त एक साथ रहती थीं। एक साथ नहाती थीं और टॉयलेट जाती थीं। इस कदर गेम की लत थी कि स्कूल भी छोड़ दिया था। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा है कि पिता ने उन्हें गेम खेलने से मना किया और फटकार लगाई। इसके चलते उन्होंने यह कदम उठाया। तीनों बहनें जिस कमरे में सोती थीं,वहां पुलिस को एक डायरी मिली है। इसके 18 पन्नों में सुसाइड नोट लिखा मिला। पुलिस का दावा है कि नोट में लिखा है-

'मम्मी-पापा सॉरी...गेम नहीं छोड़ पा रही हूं। अब आपको एहसास होगा कि हम गेम से कितना प्यार करते थे,जिसको आप छुड़वाना चाहते थे।'घटना भारत सिटी बी-1 टॉवर के फ्लैट नंबर 907 की है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर आलोक प्रियदर्शी ने बताया-अभी तक की जांच में सामने आया है कि तीनों ने आत्महत्या की है। किन परिस्थितियों में आत्महत्या की गई,इसकी जांच की जा रही है।

पिता ने दो शादियां कीं,शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं : तीनों बच्चियों के नाम निशिका (16), प्राची (14) और पाखी (12) हैं। पिता चेतन गुर्जर ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग का काम करते हैं। वह मूल रूप से दिल्ली के खजूरी के रहने वाले हैं। परिवार में 2 पत्नी, 7 साल का बेटा और चार बच्चियां थीं। साथ में साली भी रहती है। चेतन ने दो शादियां की हैं। पहली पत्नी से बच्चे नहीं होने पर उन्होंने उसकी बहन यानी साली से दूसरी शादी की। दूसरी पत्नी से निशिका और प्राची का जन्म हुआ। इसके बाद पहली पत्नी से भी एक बेटी पैदा हुई। फिर दूसरी पत्नी से एक और बेटी-बेटा भी हुए हैं। जिस फ्लैट में परिवार रहता है,उसमें तीन कमरे और एक हॉल है। घटना के वक्त चेतन दोनों पत्नियों के साथ एक कमरे में सो रहे थे।

जम्मू-कश्मीर में जैश के 2 आतंकियों का एनकाउंटर

उधमपुर में गुफा में छिपे थे,सेना ने ग्रेनेड से उड़ाया,चतरू में भी एक आतंकी ढेर...

उधमपुर,04 फरवरी 2026। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बुधवार को सुरक्षाबलों ने जैश-ए-मोहम्मद के दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया। दोनों आतंकवादी गुफा में छिपे हुए थे। सेना ने गुफा को ग्रेनेड से विस्फोट कर उड़ा दिया। एनकाउंटर का वीडियो भी सामने आया है। इसके बाद एक आतंकवादी का शव गुफा के बाहर था,जबकि दूसरे आतंकी का शव गुफा के अंदर काफी गहराई में मिला। इस ऑपरेशन में जैस का टॉप कमांडर रुबानी उर्फ अबू माविया

भी मारा गया। वो इलाके में कई साल से सक्रिय था। मुठभेड़ मंगलवार को शाम 4 बजे शुरू हुई थी। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के पास से एम4 कार्बाइन, एके-47 असॉल्ट राइफल और भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया है। उधर, किश्तवाड़ के ही चतरू इलाके में बुधवार शाम को आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच एनकाउंटर हुआ। इसमें भी एक आतंकी को सेना ने मार गिराया। व्हाइट नाइट कोर ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सीआईएफ डेल्टा, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ का यह जॉइंट आपरेशन था। इसके तहत इलाके की घेराबंदी की गई। इसे ऑपरेशन 'किया' नाम दिया गया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने पुरी में श्री जगन्नाथ मंदिर में किए दर्शन

भुवनेश्वर,04 फ़रवरी 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ओडिशा दौरे के तीसरे दिन बुधवार को पुरी स्थित 12वीं शताब्दी के प्रसिद्ध श्री जगन्नाथ मंदिर में दर्शन कर भगवान जगन्नाथ का आशीर्वाद लिया। इससे पूर्व उन्होंने पारंपरिक पितृ कर्म भी संपन्न किए। पुरी पहुंचने पर राष्ट्रपति ने सबसे पहले श्वेतगंगा में पिंडदान किया, जो पितृ अनुष्ठानों से जुड़ा एक पवित्र स्थल है। इसके बाद वह श्री जगन्नाथ मंदिर पहुंचीं और भगवान जगन्नाथ के दर्शन किए। मंदिर दर्शन के दौरान ओडिशा के राज्यपाल हरि बाबू कंभमपटि और मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी राष्ट्रपति के साथ मौजूद रहे।

संपादकीय

आखिर कब निकाले जाएंगे घुसपैठिए?

केवल चुनाव के समय ही चर्चा करना ठीक नहीं...

जब नागरिकता कानून में संशोधन किया गया था,तब यह कहा गया था कि उसे लागू करने के बाद राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर अर्थात एनआरसी का काम शुरू किया जाएगा,लेकिन फिलहाल ऐसे किसी अभियान की कोई चर्चा नहीं। हर किसी को पूछना चाहिए आखिर क्यों?

जब बिहार विधानसभा के चुनाव हो रहे थे, तब बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा उभरा था। उसके पहले झारखंड विधानसभा चुनाव के दौरान भी घुसपैठियों को बड़ा खतरा बताया गया था। चूंकि असम और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव करीब आ रहे हैं,इसलिए एक बार फिर घुसपैठियों की चर्चा हो रही है। पिछले दिनों बंगाल गए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बन जाए तो घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकाला जाएगा। इसके पहले उन्होंने असम में कहा था कि यदि इस राज्य में तीसरी बार भाजपा सरकार बन जाए तो घुसपैठियों को निकालने में देर नहीं होगी। इसका अर्थ है कि असम में पिछले लगभग दस वर्षों में बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालने का काम नहीं किया जा सका। हर किसी को पूछना चाहिए आखिर क्यों? यह ठीक नहीं कि केवल चुनाव के समय घुसपैठियों की चर्चा की जाए और फिर कुछ न किया जाए। इससे तो घुसपैठिए और उन्हें घुसाने वाले सतर्क ही होते होंगे।

बांग्लादेशी घुसपैठियों से सर्वाधिक प्रभावित राज्यों में असम है। बांग्लादेशी असम के अलावा मेघालय और त्रिपुरा के रास्ते से भी घुससैठ करते हैं। फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाला घुसपैठिया मेघालय के रास्ते ही मुंबई आया था। बांग्लादेशी घुसपैठिए सीमावर्ती राज्यों में घुसकर इसलिए दूसरे राज्यों में जाने में सफल रहते हैं, क्योंकि वे कोई न कोई फर्जी पहचान पत्र हासिल कर लेते हैं। इसके बाद उनका काम आसान हो जाता है। पूर्वोत्तर और बंगाल में घुसपैठ करने वाले बांग्लादेशी गुजरात, कर्नाटक और दिल्ली तक में बस गए हैं। यदा-कदा कुछ राज्य सरकारें उनकी पहचान करने का अभियान चलाती हैं, लेकिन अभी तक कोई अभियान प्रभावी नहीं सिद्ध हो सका है।

आपरेशन सिंदूर के दौरान गुजरात में हजारों बांग्लादेशियों को पकड़ा गया था। यह स्वाभाविक ही है कि इस अभियान के समय तमाम बांग्लादेशी अन्य राज्यों में खिसक गए होंगे। जो कहानी बांग्लादेशी घुसपैठियों की है, वही रोहिंग्याओं की भी है। रोहिंग्या भी पूर्वोत्तर और बंगाल के रास्ते घुसपैठ करने के बाद जिस तरह दिल्ली, हैदराबाद और जम्मू तक में अपने ठिकाने बनाने में सफल हैं,उससे यह साफ है कि उन्हें भारत में लाने और बसाने का काम सुनियोजित तरीके से हो रहा है। इस काम में लिप्त लोग घुसपैठियों को फर्जी प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने का भी काम करते हैं। ऐसा काम करने वाले बंगाल में खूब सक्रिय हैं।

निःसंदेह घुसपैठ रोकना केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है, लेकिन यह भी सही है कि यदि राज्य सरकारें इस काम में केंद्र का सहयोग नहीं करतीं तो घुसपैठियों की पहचान आसान नहीं। बंगाल सरकार का यह कहना तो ठीक है कि यदि घुसपैठ हो रही है तो उसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है, लेकिन केंद्र के इस सवाल का जवाब भी मिलना चाहिए कि राज्य प्रशासन की ओर से घुसपैठियों को लेकर कभी कोई शिकायत क्यों नही की जाती? तथ्य यह है कि बंगाल के किसी भी थाने से कोई ऐसी शिकायत नहीं मिलती कि बांग्लादेश से किसी ने अवैध तरीके से प्रवेश किया है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता:मोदी नेतृत्व की वैश्विक दृढ़ता

अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार के परिदृश्य में कोई भी समझौता केवल आंकड़ों या कर-प्रतिशतों तक सीमित नहीं होता,वह राष्ट्र की संप्रभुता,नेतृत्व की दृढ़ता और भविष्य की दिशा का भी संकेतक होता है...

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली-92

भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक सहमति,जिसके अंतर्गत प्रस्तावित 50 प्रतिशत टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है,इसी दृष्टि से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी घटना है। यह निर्णय केवल आर्थिक राहत नहीं,बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन और भारत की बढ़ती सौदेबाजी क्षमता का प्रमाण है। यहां देर आए, दुरुस्त आए की कहावत पूरी तरह चरितार्थ होती है। जब अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर ऊँचे टैरिफ का दबाव बनाया गया था,तब यह आशंका व्यक्त की जा रही थी कि भारत जैसी उभरती अर्थव्यवस्था को अंततः झुकना पड़ेगा। वैश्विक व्यापार का हालिया इतिहास इस बात का साक्षी रहा है कि बड़ी शक्तियां अक्सर दबाव की राजनीति के माध्यम से अपने हित साधती हैं। किंतु फरवरी 2025 में आरंभ हुई इस व्यापारिक प्रक्रिया का फरवरी 2026 में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ना यह दर्शाता है कि भारत ने न तो जल्दबाजी दिखाई और न ही अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता किया। भारत ने समय लिया,परिस्थितियों का मूल्यांकन किया और अंततः संतुलित व सम्मानजनक परिणाम प्राप्त किया।

50 प्रतिशत से 18 प्रतिशत तक की टैरिफ कटौती का तात्कालिक प्रभाव व्यापारिक जगत और शेयर बाजार में दिखाई दिया। निवेशकों का भरोसा लौटा, निर्यातकों को राहत मिली और बाजार में सकारात्मक संकेत उभरे। किंतु इस निर्णय का वास्तविक महत्व इससे कहीं अधिक व्यापक है। यह इस बात की पुष्टि करता है कि भारत अब केवल नियमों का पालन करने वाला देश नहीं,बल्कि नियमों के निर्माण और पुनर्परिभाषा में अपनी भूमिका सुनिश्चित करने वाला राष्ट्र बन चुका है। अमेरिका जैसी महाशक्ति का अपने रुख में नरमी लाना भारत की आर्थिक ताकत, रणनीतिक धैर्य और राजनीतिक आत्मविश्वास का प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसमें संवाद है,पर दबाव के आगे समर्पण नहीं। चाहे वह रक्षा सहयोग हो, ऊर्जा सुरक्षा हो या व्यापारिक समझौते-हर क्षेत्र में भारत ने अपने हितों को केंद्र में रखते हुए आगे बढ़ने का प्रयास किया है। इस व्यापारिक डील में भी भारत ने बिना झुके,बिना रुके और बिना कमजोर पड़े अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से रखीं। यही कारण है कि अंततः अमेरिका को अपने प्रस्तावों में संशोधन करना पड़ा। यह केवल एक व्यापारिक जीत नहीं,बल्कि राजनीतिक परिपक्वता और नेतृत्व की दृढ़ता का उदाहरण है। इस समझौते से भारतीय उद्योगों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में एक उन्नत स्थिति प्राप्त होगी। कम टैरिफ का अर्थ है कि भारतीय उत्पाद अमेरिकी बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे,उनकी पहुंच बे`गी और मेक इन इंडिया को नया प्रोत्साहन मिलेगा। टेक्सटाइल, फार्मास्यूटिकल्स,ऑटोमोबाइल,कृषि-आधारित उत्पाद और उभरते तकनीकी क्षेत्र-सभी को इससे दीर्घकालिक लाभ होने की संभावना है। भारत अब केवल सस्ता श्रम या कच्चा माल उपलब्ध कराने वाला देश नहीं,बल्कि मूल्यवर्धित उत्पादन और नवाचार की दिशा में अग्रसर अर्थव्यवस्था बनता जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसदीय दल की बैठक में जिस संयम और आत्मविश्वास के साथ भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को निरंतर धैर्य का परिणाम बताया,वह उनकी कूटनीतिक शैली का सार है। यह समझौता किसी अचानक हुए घटनाक्रम का नतीजा नहीं,बल्कि एक वर्ष तक चली रणनीतिक प्रतीक्षा,विकल्पों के विस्तार और संतुलित संवाद का परिणाम है। मोदी ने स्पष्ट संकेत दिया कि सरकार ने विपक्ष की आलोचनाओं और तात्कालिक दबावों के बावजूद धैर्य नहीं छोड़ा, क्योंकि वैश्विक व्यापार और भू-राजनीति में जल्दबाजी अक्सर महंगी पड़ती है। अमेरिका का झुकना किसी भावनात्मक मित्रता का परिणाम नहीं, बल्कि ठोस रणनीतिक विवशता का नतीजा है। बीते एक वर्ष में भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि उसके पास विकल्प हैं-रूस के साथ ऊर्जा सहयोग,यूरोपीय संघ के साथ ऐतिहासिक मुक्त व्यापार समझौता और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी बे ती भूमिका।

यदि वाशिंगटन भारत पर एकतरफा दबाव बनाए रखता,तो अमेरिकी कंपनियां दुनिया के सबसे तेजी से बे ते बड़े बाजार से बाहर हो जातीं। ट्रंप द्वारा 500 अरब डॉलर के आयात,शून्य टैरिफ और रूसी तेल त्यागने जैसे नाटकीय दावे इसी दबाव की राजनीति का हिस्सा थे,जिन्हें भारत ने न तो सार्वजनिक टकराव का मुद्दा बनाया और न ही स्वीकारोक्ति दी। मोदी का इन पर मौन यह दर्शाता है कि भारत इस घटनाक्रम को अंतिम समझौते के रूप में नहीं,बल्कि दिशा-निर्धारण के रूप में देख रहा है। इसके विपरीत,भारतीय विपक्ष इस पूरे प्रकरण में अपनी राजनीतिक अधीरता और रणनीतिक अपरिपक्वता को उजागर करता रहा। उसने टैरिफ को लेकर तात्कालिक लाभ-हानि की भाषा में सरकार को घेरने की कोशिश की, जबकि अंतरराष्ट्रीय व्यापार वार्ताएं समय,धैर्य और बहुस्तरीय गणनाओं की मांग करती हैं। विपक्ष यह समझने में असफल रहा कि कूटनीति में कभी-कभी पीछे हटना नहीं,बल्कि प्रतीक्षा करना ही सबसे बड़ा कदम होता है। आज जब अमेरिका को अपना अड़ियल रुख छोड़ना पड़ा है और भारत फिर से वैश्विक प्रतिस्पर्धा की अग्रिम पंक्ति में खड़ा दिख रहा है, तब यह स्पष्ट है कि मोदी की नीति न केवल दबाव से मुक्त थी,बल्कि दूरदर्शी भी। यही नीति भारत को एक आत्मविश्वासी,प्रभावशाली और सौदे की शर्तें तय करने वाली शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह वैश्विक व्यापार में दबाव आधारित राजनीति के अंत का संकेत देता है। लंबे समय से बड़ी अर्थव्यवस्थाएं टैरिफ,प्रतिबंध और नीतिगत दबावों के माध्यम से छोटे या उभरते देशों को अपनी शर्तें मानने के लिए विवश करती रही हैं। भारत ने इस प्रवृत्ति को न केवल चुनौती दी, बल्कि यह भी सिद्ध किया कि आत्मविश्वास, आर्थिक क्षमता और राजनीतिक इच्छाशक्ति के बल पर किसी भी दबाव को संतुलित संवाद में बदला जा सकता है। भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में यह समझौता एक नए राजनीतिक आभामंडल के निर्माण का भी संकेत देता है। यह संबंध अब केवल रणनीतिक या सामरिक सहयोग तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आर्थिक साझेदारी के एक नए स्तर की ओर बे रहा है। इसका प्रभाव केवल इन दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि वैश्विक राजनीति में बहुध्रुवीय व्यवस्था को और अधिक मजबूती देगा। दुनिया धीरे-धीरे यह स्वीकार कर रही है कि भविष्य का नेतृत्व किसी एक शक्ति के हाथ में नहीं, बल्कि संतुलित साझेदारियों के माध्यम से उभरेगा,और भारत उसमें एक केंद्रीय भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

इस व्यापारिक प्रगति से मोदी सरकार की अंतरराष्ट्रीय साख में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह साख किसी प्रचार या दावे पर नहीं,बल्कि ठोस परिणामों पर आधारित है। भारत आज विश्व मंच पर एक ऐसे राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है, जो अपने हितों की रक्षा करते हुए वैश्विक स्थिरता और सहयोग में भी सकारात्मक भूमिका निभाता है। यही संतुलन उसे अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं से अलग पहचान देता है। महाशक्ति बनने की भारत की यात्रा भावनात्मक नारों पर नहीं,बल्कि आर्थिक आंकड़ों,रणनीतिक समझौतों और वैश्विक स्वीकार्यता पर आधारित है। दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है,और इस प्रकार के व्यापारिक समझौते उस यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव हैं। यह स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत को आगे बढ़ने से रोक पाना अब किसी के लिए आसान नहीं है। निश्चित तौर पर यह व्यापारिक समझौता भारत की परिपक्व कूटनीति और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति और वैश्विक व्यापार की दुनिया में कोई भी निर्णय केवल आर्थिक गणित नहीं होता,वह राष्ट्र की संप्रभुता,आत्मसम्मान और नेतृत्व की परिपक्वता का भी प्रमाण होता है। देर से लिया गया सही निर्णय, जल्दबाजी में किए गए गलत समझौतों से कहीं अधिक मूल्यवान होता है। भारत ने धैर्य रखा,आत्मसम्मान बनाए रखा और अंततः अपने हितों के अनुरूप परिणाम हासिल किया। निश्चित ही नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल सुरक्षित है,बल्कि आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है और यह विश्वास ही उसे महाशक्ति बनने की उड़ान देता है।

लोकतंत्र के लिए एक काला अध्याय है पाकिस्तान का 27 वां संशोधन

डॉ. प्रियंका सौरभ
आर्यनगर,हिसार,हरियाणा

संवैधानिक संशोधन लोकतंत्र की आत्मा होते हैं,जो समय के साथ बदलती चुनौतियों का सामना करने के लिए ढांचे को लचीला बनाते हैं। लेकिन जब ये संशोधन सत्ता के संतुलन को बिगाड़ने का हथियार बन जाते हैं,तो वे लोकतंत्र को ही खोखला करने लगते हैं। पाकिस्तान की संसद द्वारा नवंबर 2025 में पारित 27 वां संवैधानिक संशोधन ठीक ऐसा ही एक उदाहरण है। यह संशोधन सतह पर संवैधानिक प्रक्रिया का पालन करता प्रतीत होता है, किंतु वास्तव में कार्यपालिका और सेना के हाथों में न्यायपालिका को बंधक बनाने का प्रयास है। इसने न केवल पाकिस्तानी संस्थानों के बीच शक्ति संतुलन को उलट दिया है,बल्कि विधि के शासन को गंभीर खतरे में डाल दिया है। भारत जैसे पड़ोसी देश के लिए यह एक कठोर चेतावनी है,जहां न्यायिक स्वायत्तता लोकतंत्र की रीढ़ बनी हुई है। पाकिस्तान का यह कदम हमें सोचने पर मजबूर करता है कि क्या हमारी अपनी व्यवस्था ऐसी चुनौतियों के प्रति सजग है।

पाकिस्तान के संवैधानिक इतिहास को देखें तो संशोधन हमेशा से सत्ता संघर्ष का मैदान रहे हैं। 1973 के संविधान के बाद से 26 संशोधन हो चुके हैं, जिनमें से कई तानाशाही शासकों ने अपनी सनक के अनुरूप ढाले। लेकिन 27वां संशोधन एक नया मोड़ लाता है। इसमें संघीय संवैधानिक न्यायालय की स्थापना की गई है,जो संवैधानिक व्याख्या और मौलिक अधिकारों पर विशेष अधिकार क्षेत्र रखेगा। पहले ये जिम्मेदारियां सर्वोच्च न्यायालय के पास थीं। अब सर्वोच्च न्यायालय केवल गैर-संवैधानिक मामलों का अपीलीय निकाय बनकर रह गया है। यह बदलाव न्यायपालिका को उसके मूल कर्तव्य से वंचित करता है–संविधान का संरक्षक बनना। राष्ट्रपति को प्रधानमंत्री की सलाह पर इस नए न्यायालय के जजों की नियुक्ति का अधिकार मिला है, बिना किसी पारदर्शी चयन मानदंड के। इससे राजनीतिक संरक्षण संस्थागत हो जाता है, जहां जजों की नियुक्ति सत्ता की कृपा पर निर्भर हो जाती है।

इसके अलावा,संशोधन उच्च न्यायालयों के जजों को उनकी सहमति के बिना प्रांतों के बीच स्थानांतरित करने

की अनुमति देता है। अगर कोई जज इनकार करता है,तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई हो सकती है, यहां तक कि निष्कासन तक। यह प्रावधान न्यायाधीशों को कार्यपालिका के आगे झुकने पर मजबूर करता है। सबसे चिंताजनक सैन्य शक्ति का समेकन है। चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज का नया पद सृजित किया गया, जिसे सेना प्रमुख ही संभालेगा। इससे सेना को सभी सशस्त्र सेवाओं पर प्रधानता मिलती है और उसे अभियोजन से आजीवन छूट भी प्रदान की गई है। पाकिस्तान का यह हाइब्रिड शासन मॉडल अब संवैधानिक रूप धारण कर चुका है,जहां सेना सिविल प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप का औपचारिक आधार पा गई है। विधेयक को संसद में जल्दबाजी में पारित किया गया, बिना व्यापक बहस या विपक्षी परामर्श के। इससे संसदीय संप्रभुता ही कमजोर हुई है।

इस संशोधन के परिणामस्वरूप न्यायिक संस्थाओं का विखंडन हो गया है। एक समानांतर प्रणाली उभरी है, जिसे कार्यपालिका आसानी से नियंत्रित कर सकती है। जवाबदेही का अभाव स्पष्ट है–राष्ट्रपति और शीर्ष सैन्य अधिकारियों को छूट देकर विधि के समक्ष समानता का सिद्धांत तोड़ा गया। अब एक विशेष वर्ग कानून से परे हो गया है। असहमति को दबाने की प्रवृत्ति भी दिखी। वरिष्ठ जजों जैसे जस्टिस मंसूर अली शाह ने इस्तीफा दे दिया,जो न्याय व्यवस्था में विश्वास की भारी कमी को दर्शाता है। नागरिक अधिकारों की रक्षा करने की क्षमता अब संदिग्ध है। विधि का शासन क्षरण की इस प्रक्रिया ने पाकिस्तान को एक ऐसे बिंदु पर ला खड़ा किया है,जहां लोकतंत्र केवल नाम का रह गया है। सैन्य हस्तक्षेप अब संवैधानिक वैधता के आवरण में हो रहा है।

भारत इस घटना से गहरी सीख ले सकता है। हमारा संविधान शक्तियों के पृथक्करण पर आधारित है, और न्यायपालिका ने इसे बार-बार मजबूती दी है। केशवानंद भारती मामले में प्रतिपादित मूल ढांचा सिद्धांत संवैधानिक संशोधनों के विरुद्ध सबसे बड़ी ढाल है। यह सुनिश्चित करता है कि कोई भी संशोधन न्यायिक समीक्षा या शक्तियों के विभाजन को कमजोर न करे। पाकिस्तान का अनुभव बताता है कि कार्यपालिका के नेतृत्व वाली नियुक्तियों से बचना चाहिए। हमारी कॉलेजियम प्रणाली भले आलोचित हो,लेकिन यह बेंच को राजनीतिक आधिपत्य से बचाती है। जजों के तबादलों को पारदर्शी और प्रशासनिक आवश्यकता पर आधारित रखना जरूरी है,न कि दंडात्मक मंशा से प्रेरित। समानांतर न्यायालयों के निर्माण का कोई प्रस्ताव हो तो उसकी कठोर जांच होनी चाहिए,ताकि वे कार्यपालिका के हितैषी न बनें।

भारतीय बार और बेंच को एकजुट रहना चाहिए। विभाजित न्यायपालिका विधायी अतिक्रमण के प्रति कमजोर पड़ती है। संसदीय बहसों को मजबूत बनाना होगा, ताकि संशोधन जल्दबाजी में न पास हों। नागरिक समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है–सार्वजनिक विमर्श से सत्ता के दुरुपयोग को रोका जा सकता है। भारत ने अब तक 106 संशोधन झेले हैं, लेकिन मूल ढांचा अटल रहा। फिर भी,सजगता जरूरी है। राजनीतिक अस्थिरता या बहुमत की निरंकुशता में संशोधन सत्ता केंद्रीकरण का हथियार बन सकते हैं। न्यायिक स्वायत्तता केवल कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि निरंतर संघर्ष है। पाकिस्तान का 27 वां संशोधन एक लोकतांत्रिक दुविधा है–जहां विधिक प्रक्रियाओं का उपयोग लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने के लिए हो रहा है। भारत को इस अनुभव से सतर्क होकर अपनी संस्थाओं को और मजबूत करना चाहिए। न्यायपालिका मनमानी सत्ता पर अंकुश बनी रहे,तभी गणराज्य की पवित्रता सुरक्षित रहेगी। समय है कि हम पाकिस्तान की गलतियों से बचें और लोकतंत्र को सशक्त बनाएं।

पाकिस्तान का 27 वां संवैधानिक संशोधन लोकतंत्र के लिए एक काला अध्याय है। यह सतह पर प्रक्रियात्मक वैधता का दिखावा करता है,किंतु वास्तव में कार्यपालिका और सेना द्वारा न्यायपालिका पर कब्जे का प्रयास है। संघीय संवैधानिक न्यायालय की स्थापना,जजों की मनमानी नियुक्तियां, बिना सहमति तबादले और सैन्य छूट ने शक्ति संतुलन को हमेशा के लिए बिगाड़ दिया। विधि का शासन क्षरण,संस्थागत विखंडन और विश्वास-ह्रास ने पाकिस्तान को हाइब्रिड शासन की ओर धकेल दिया, जहां सिविल प्रक्रियाएं सैन्य छत्रछाया में सिकुड़ गईं। जस्टिस मंसूर अली शाह जैसे इस्तीफों ने संकट की गहराई उजागर की। भारत के लिए यह कठोर अनुस्मारक है। मूल ढांचा सिद्धांत, कॉलेजियम प्रणाली और पारदर्शी तबादलों को अटल रखें। समानांतर न्यायालयों का प्रतिरोध करें,बार-बेंच एकजुट रहें। संसदीय बहसें मजबूत हों, नागरिक विमर्श सक्रिय। न्यायिक स्वायत्तता निरंतर संघर्ष है–इसे मजबूत रखें, ताकि मनमानी सत्ता पर अंकुश बना रहे। पाकिस्तानी दुविधा से बचकर भारत लोकतंत्र की मिसाल बने। गणराज्य की पवित्रता रक्षा ही हमारा कर्तव्य है।

मन की शांति चाहिए तो...

प्रोफेसर शाम लाल कौशल
रोहतक हरियाणा

मन की शांति चाहिए तो
अपना काम समय पर करो।
मन की शांति चाहिए तो
किसी से कर्ज कभी ना लो।
मन की शांति चाहिए तो
अपनी गलती स्वीकार करो।
मन की शांति चाहिए तो
दूसरों की भूल माफ करो।
मन की शांति चाहिए तो
बीमार होने से बचाव करो।
मन की शांति चाहिए तो
वैर भावना से दूर रहो।
मन की शांति चाहिए तो
किसी से ईर्ष्या ना करो।
मन की शांति चाहिए तो
मां बाप की सेवा करो।
मन की चाहिए तो
ईमानदारी से काम करो।
मन की शांति चाहिए तो
आलस्य भी ना करो।
मन की शांति चाहिए तो
प्रसन्नचित रहा करो।

कण-कण में राम

अतुल सिंह पाठक
हाथरस,
उत्तर प्रदेश

सेतु रचत थे रघुकुल नायक,
लहरें भी मर्यादा सीखें।
वानर दल में एक नन्ही-सी,
गिलहरी भी सेवा दीखे॥
दौड़-दौड़ कर रेत उठाती,
कण-कण चरणों में धरती।
ना बल का गर्व,ना नाम की चाह,
बस भक्ति मौन में उतरती॥
दयालु प्रभु ने देख लिया,
भाव से बड़ा न कोई मान।
पीठ सहलाई,चिह्न दिए,
अमर हुआ वह निष्काम दान॥
कण से कण जब जुड़ जाते हैं,
सेतु नहीं–इतिहास बनता।
राम काज में जो जुड़ जाए,
वही सच्चा विश्वास बनता॥

पता नहीं क्यों?

मुस्कान केशरी
मुजफ्फरपुर,बिहार

पता नहीं क्यों? आज - कल वो भ्रम की दुनिया में जी रहा है उसे लगता है कि वो मुझे झूठ कहानियों से अपने प्यार के जाल में फंसा लेगा। शायद वो इस बात को समझता नहीं कि प्यार, बस हो जाता है। इसके लिए कोई योजनाएं नहीं बनाई जाती हैं और ना ही झूठी कहानियों का सहारा लेना पड़ता है। प्यार एहसास है जो बस एक झलक में हो जाता है और प्यार में मिलन हो ये जरूरी नहीं होता है अक्सर सच्ची मोहब्बत भी अधूरी ही होती है। लेकिन मुझे ये नहीं समझ आ रहा कि जो कल तक मुझसे बात नहीं करता है अचानक से इतना बात क्यों कर रहा है। मदद के नाम पर मुझसे हर काम करवा रहा है और हर दिन नई कहानियों का सहारा ले रहा है। शायद मैं भोली - भाली हूं और वो चालाक है तभी तो, मै हर बात को सच मानकर करती गई और उसके जाल में फंसती रही। वो हर बार बड़े आसानी से कहानियां सुनाता और मैं सच मानकर सुनती जाती। अब तो मुझे लगता है कि शायद हो सकता है कि उसको हमसे कोई दुश्मनी होगा तभी तो वो किसी साजिश के तहत् जाल बिछाकर मुझे फटाने का कोशिश कर रहा है लेकिन मैं उनके जाल में कभी फंसूंगी नहीं। ये जानते हुए भी वो हर रोज ने ई कहानियां सुनाता है आखिर वो क्या चाहता है? मैं तो निस्वार्थ भाव से समाज सेवा कर रही हैं लेकिन वो मेरे द्वारा किए गए हर सेवा का मेवा खा रहा था और कि़स्मित भी क्या जब की होती हैं ना। जहां एक तरफ मुझे झूठी कहानियों के जाल में फंसाने का प्रयास छोटा भाई कर रहा था वही पर बड़े भाई ने सच बता दिया। कि बहन तुम जिसके लिए काम कर रही हो, वो मुखौटा राम का लगाया है लेकिन असली में वो रावण है और इस दिखावटी दुनिया में वो भी दिखावे के लिए एक साजिश को बुन रहा है। तुम गलत मत समझना वो बहुत भोला है लेकिन दिखावटी दुनिया ने उसे बिगाड़ दिया है और सच ये भी है कि पहले वो तुम्हें, अपने फायदे के लिए फटा रहा था लेकिन अब वो सच में तुमसे प्यार करता है। मानता हूँ कि उसने झूठी कहानियों से तुम्हें फंसाया लेकिन सच कहूँ तो उसने दिल से तुमको अपनाया है। इतना सुनते हुए मैं भी सोच में पड़ गई क्योंकि नबंर उसके पास काफी दिनों से था लेकिन उसने कभी मैसेज नहीं किया और अचानक उसका लगातार मुझसे बातें करना, मुझे भी पसंद तो आ ही रहा था कुछ तो खास बात है उसके कहानियों में, जो मुझे उसके ओर खीची जा रही थी। मन में मस्त प्रश्नों की खिचड़ी तैयार मैं कर रही थी लेकिन सुबह सच का पता चल गया कि वो बस दोस्तों को देखाने के लिए मुझे फटना चाहता था। पता नहीं क्यों, ये लड़के समझते नहीं है कि हम लड़कियाँ भी इंसान है हमें बहुत दुःख होता है जब कोई हमें छलता है। क्या कभी लड़कों के साथ ऐसा हुआ होगा क्या,पता नहीं ?

डिजिटल क्रांति बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती

सुभाष बुड़ावन वाला,
रतलाम,मध्यप्रदेश

आज का दौर डिजिटल क्रांति का है,लेकिन यही क्रांति अब बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनती जा रही है। भारत में तेजी से बढ़ते इंटरनेट उपयोग और सस्ते डेटा ने जहां अवसरों के नए द्वार खोले हैं,वहीं यह बच्चों के लिए एक अदृश्य खतरा भी बनकर उभरा है। ईकोनॉमी सर्वे 2025-26 ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि डिजिटल एडिक्शन और अत्यधिक स्क्रीन टाइम अब सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम का रूप ले रहा है, क्योंकि स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और गेमिंग प्लेटफॉर्म बच्चों के व्यवहार, सीखने की क्षमता और मानसिक संतुलन पर मापने योग्य प्रभाव डालने लगे हैं।

यही नहीं,रिपोर्ट ने यह भी सुझाया है कि कम उम्र के उपयोगकर्ताओं की अधिक संवेदनशीलता को देखते हुए सोशल मीडिया के लिए आयु-आधारित सीमाएं तय करने पर विचार किया जाना चाहिए। हालिया अध्ययनों के अनुसार भारत में पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चे प्रतिदिन औसतन 2.2 घंटे स्क्रीन के सामने बिताते हैं, जो विशेषज्ञों द्वारा तय सुरक्षित सीमा से लगभग दोगुना है। अत्यधिक स्क्रीन एक्स पोजर का संबंध भाषा विकास में देरी, कमजोर सामाजिक व्यवहार,मोटापे, नींद की गड़बड़ी और ध्यान की कमी जैसी समस्याओं से जोड़ा गया है। यह स्थिति केवल छोटे बच्चों तक सीमित नहीं है,एक सर्वे के अनुसार 12 वर्ष से कम उम्र के 42 प्रतिशत बच्चे रोज दो से चार घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं,जबकि 69 प्रतिशत बच्चों के पास अपना स्मार्टफोन या टैबलेट है। महाराष्ट्र जैसे राज्यों में 9 से 17 वर्ष के लगभग 22 प्रतिशत बच्चे प्रतिदिन छह घंटे से अधिक समय स्क्रीन पर बिताते हैं और देशभर में इस आयु वर्ग के 60 प्रतिशत से अधिक बच्चे कम से कम तीन घंटे मोबाइल गेम या सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं। यह आंकड़े केवल आदत नहीं,बल्कि एक उभरती निर्भरता की कहानी कहते हैं। ईकोनॉमी सर्वे में उद्धृत एक अध्ययन बताता है कि ज्यादा स्क्रीन टाइम वाले युवाओं में 37.9 प्रतिशत में अवसाद, 33.3 प्रतिशत में चिंता और 43.7 प्रतिशत में उच्च तनाव के लक्षण पाए गए। भारत की एक और चुनौती यह है कि मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं अभी पर्याप्त नहीं हैं–देश में प्रति एक लाख लोगों पर केवल 0.75 मनोचिकित्सक उपलब्ध हैं,जो विश्व स्वास्थ्य संगठन की अनुशंसित संख्या तीन से काफी कम है। इसका अर्थ यह है कि यदि डिजिटल लत का संकट बढ़ा तो उससे निपटने की व्यवस्था भी कमजोर साबित हो सकती है। भारत दुनिया के सबसे बड़े इंटरनेट बाजारों में से एक बन चुका है, जहां लगभग 1.02 अरब इंटरनेट उपयोगकर्ता और 75 करोड़ स्मार्टफोन हैं, जबकि करीब 90 प्रतिशत किशोरों को घर पर स्मार्टफोन उपलब्ध है। औसतन भारतीय प्रतिदिन 3.2 घंटे सोशल मीडिया पर बिताते हैं और बच्चों का अधिकांश स्क्रीन समय मनोरंजन पर खर्च होता है। यह परिदृश्य बताता है कि डिजिटल दुनिया अब विकल्प नहीं, बल्कि जीवनशैली बन चुकी है। ऐसे में सवाल यह उठता है कि क्या बच्चों को बिना किसी सुरक्षा कवच के इस दुनिया में छोड़ देना उचित है?

दुनिया के कई देशों ने इस खतरे को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया ने दिसंबर 2025 से 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लागू कर दिया है और नियम तोड़ने पर कंपनियों पर भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। इस कानून का उद्देश्य युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा करना और टेक कंपनियों की जवाबदेही तय करना है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

सिंदूर नदी में रेत में दबी लाश का पुलिस ने किया सनसनीखेज मामले का पर्दाफाश

अवैध संबंध के कारण मृतक की पत्नी के इशारे पर आशिक ने दिया था घटना को अंजाम

-संवाददाता-
बलरामपुर,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
विगत माह 29/01/2026 को सेंदूर नदी किनारे ग्राम सतिसेसर में रेत में दबा हुआ शव पुलिस ने बरामद किया था,बरामद अज्ञात शव का पहचान विश्वनाथ केरकेट्टा निवासी यास सालिया पारा थाना लैलूंगा जिला रायगढ़ के रूप में किया गया था, मृतक कत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में प्रधान आरक्षक के पद पर दंतेवाडा में पदस्थ था, पत्नी का अवैध संबंध बना मौत का कारण,खौफनाक हत्याकांड कांड को पत्नी के आशिक ने दिया था घटना को अंजाम, पुलिस ने घटना में शामिल दोनों आरोपियो को गिरफ्तार कर अप.क्र. 21/2026 103(1), 238 बीएमएस के तहत कार्यवाही कर विवेक टोप्पो पिता स्व प्रफुल्ल टोप्पो,उम1वर्ष,ग्राम बेलकुंद्री,थाना चलगनी, बलरामपुर क्लॉस्टिका केरकेट्टा पति स्व विश्वनाथ केरकेट्टा,उम वर्ष, निवासी ग्राम सतिसेमर,थाना बलरामपुर, जिला बलरामपुर को भेजा सलाखों के पीछे। जानकारी के अनुसार दिनांक 29/01/2026 के शाम को थाना बलरामपुर क्षेत्रांतर्गत बाम सतिशेमर में सेन्दुर नदी किनारे रेत में दबा हुआ एक अज्ञात व्यक्ति शव बरामद हुआ था। बरामद शव के संबंध में बलरामपुर मैं मर्ग क्रमांक 05/2016 धारा बीएनएसएस पंजीबद्ध कर जाँच में लिया गया। मर्ग जाँच के दौरान दिनांक 30/01/2026 को विधिवत अत्यंत सड़ी-गली स्थिति में बरामद होने के कारण तत्काल शव पंचनामा किया गया। शव पहचान नहीं हो सका। शव एवं घटनास्थल निरीक्षण तथा पोस्ट मार्टम कार्यवाही पश्चात अजात मृतक की मृत्यु सिर में गंभीर बोट पहुंचाकर हत्या करने से होना पाया गया। इस दौरान दिनांक 31/01/2026 को थाना बलरामपुर पुलिस के द्वारा काफ़ी प्रयास के बाद मृतक के संभावित परिजनों को बुलाकर मृतक का पहचान करवाया गया जिसमें अजात मृतक को विश्वनाथ केरकेट्टा पिता स्व लोहार साथ केरकेट्टा उम्र 51 वर्ष निवासी ग्राम सलिया पारा थाना लैलूंगा जिला रायगढ़ छत्तीसगढ़ के रूप में किया गया जो की छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल में प्रधान आरक्षक के पद पर वर्तमान में दंतेवाड़ा में पदस्थ था। मर्ग जांच पर उपरोक्त तथ्य के आधार पर थाना बलरामपुर में अपराध क्रमांक 21/2026 धारा 103(1), 238 बीयपस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामना अत्यंत संवेदनशील एवं गंभीर प्रकृति का होने से पुलिस अधीक्षक बलरामपुर वैभव बैंकर के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विवश्वदीपक विपाठी के नेतृत्व में थाना बलरामपुर एवं साइबर सेल की टीम को अज्ञात आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी के आदेश दिया गया था। गठित टीम ने वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त आदेश एवं निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विश्वदीपक त्रिपाठी द्वारा अपने टीम के साथ लगातार कड़ी मेहनत एवं तकनीकी दक्षता के साथ विवेचना कार्यवाही करते हुए घटनास्थज के आसपास निवासरत व्यक्तियों से पूछताछ करते हुए अन्य संभावित तकनीकी प्रयोग करते हुए अज्ञात आरोपी की पता-तलाश किया गया।

पुलिस को प्रारंभिक विवेचना में ही लगा,मामला प्रेम प्रसंग का...

विवेचना के दौरान पुलिस को प्रारंभिक स्तर पर ही मामना अवैध प्रेम संबंध से जुड़ा होना प्रतीत हो रहा था, आरोपीयो के द्वारा पुलिस जांच में किए जाने वाले सभी संभावित तरीकों का आकसन कर उससे बचने और पुलिस को गुमराह करने के समस्त प्रयास आरोपीयों के द्वारा किया गया था। अंततः पुलिस द्वारा कई तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर यह पाया कि मृतक विश्वनाथ केरकेडा पूर्व में बलरामपुर में पदस्थापना के दौरान ग्राम सवनी चौकी गणेशमोड़ थाना बलरामपुर में रहने वाली सहकी क्लॉस्टिका केरकेट्टा से दूसरी शादी किया था। मृतक ग्राम सतिसैमर में घर बनवाकर अपनी पत्नी को रखा था। मृतक की पत्नी क्लॉस्टिका से 02 बच्चे है जिसकी पढ़ाई के लिए वर्ष 2024 में मृतक अपनी पत्नी क्लॉस्टिका को रायपुर में किराए के मकान में शिफ्ट किया था। मृतक की पत्नी क्लॉस्टिका का वर्ष 2023 में आरोपी विवेक टोप्पो पिता स्व प्रफुल्ल टोप्पो निवासी बेलकुंदरी थाना चलगली जिला बलरामपुर से फेसबुक के माध्यम से जान पहचान हुआ था। इसके बाद दोनों के बीच प्रेम संबंध स्थापित हो गया और चोरी छिपे वर्ष 2003 में क्लॉस्टिका और विवेक तातापानी मंदिर में एक दूसरे से गोपनीय शादी कर लिये। क्लॉस्टिका और विवेक एक दूसरे से मोबाइल फ़ोन में बातचीत करते थे जिसकी जानकारी मृतक विश्वनाथ की हो गई थी। आरोपी विवेक टोप्पो भी पूर्व से शादी शुदा था जिससे आरोपी विवेक टोप्पो एवं मृतक के घर में अक्सर वाद विवाद होते रहता था। मृतक की पत्नी क्लॉस्टिका और विवेक टोप्पो एक दूसरे के साथ रहने के लिए विश्वनाथ केरकेट्टा को रास्ते से हटाना चाहते थे जिसके लिए प्लान बनाकर आरोपीगण के द्वारा मृतक की छुट्टी में बलरामपुर सतीसेमर बुलाया गया। मृतक दिनांक 12/01/2026 को दंतेवाड़ा से छुट्टी लेकर दिनांक 14/01/2026 को बलरामपुर सतितेमर अपने घर पहुंचा था। क्लॉस्टिका और विवेक टोप्पो के द्वारा इसी दौरान मृतक विश्वनाथ केरकेट्टा की हत्या करने का प्लान किया गया था।

डीजल चोरी के मुख्य सरगना खरीदार गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
ट्रकों से डीजल चोरी के मामले में लखनपुर पुलिस ने मुख्य सरगना खरीददार को एमपी अनूपपुर से गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि मुख्य आरोपी फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार अक्टूबर व नवंबर महीने में लखनपुर थाना क्षेत्र से तीन से चार ट्रकों से डीजल चोरी किए जाने का मामला सामने आया था। ट्रक चालकों ने मामले की रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई थी। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी हीरालोनी,रोहित लोनी, धुव्र लोनी,बसंत लोनी को गिरफ्तार कर जेल भेज चुका है। वहीं मुख्य सरगना खरीदार रमेश गुप्ता पिता राम प्रसाद गुप्ता उम्र 39 वर्ष निवासी खुटाटोला थान जैतहरी जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश फरार चल रहा था। जिसे पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। गिरफ्तार आरोपी रामेश ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि वह वर्ष 2022 में सूरजपुर जेल में निरूद्ध था। इस दौरान डीजल चोरी के आरोपी हीरा लोनी,रोहित लोनी,धुव्र लोनी व बसंत लोनी से जान पहचान हुई थी। जेल से छुटने के बाद सभी आरोपी मिलकर सरगुजा व आस पास के जिलों में खड़े ट्रकों से डीजल चोरी कर बिक्री करना बताया। चोरी का डीजल अन्य वाहन चालकों से 80-90 रुपए प्रति लीटर बेच देते थे। आरोपी के विरुद्ध कबीरधाम,जयनगर, जैतहरी, बिजुरी, लखनपुर, मणीपुर, कोतवाली, गांधीनगर में अपराध दर्ज है।

लंबित राजस्व प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के दिए निर्देश

अवैध भूमि अतिक्रमण पर नियमानुसार करें कार्रवाई : कलेक्टर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
कलेक्टर अजीत वसंत ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित बैठक में राजस्व अधिकारियों को लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि आम जनता से जुड़े राजस्व मामलों में संवेदनशीलता बरतें और किसी भी प्रकरण को समय-सीमा के बाहर अनावश्यक रूप से लंबित न रखें।

अतिक्रमण पर कार्रवाई और भू-अभिलेखों की शुद्धता

बैठक के दौरान कलेक्टर ने अवैध भूमि अतिक्रमण एवं कब्जा के मामलों की समीक्षा करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलवार समीक्षा करते हुए अविवादित एवं विवादित नामांतरण,सीमांकन,बटांकन, खाता विभाजन और भू-अर्जन जैसे प्रकरणों में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

न्यायालयीन कार्यों में लाएं पारदर्शिता

कलेक्टर ने सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने न्यायालयों में सुनवाई के लिए निश्चित दिवस निर्धारित करें। साथ ही,सभी प्रकरणों की ऑनलाइन प्रविष्टि समय पर सुनिश्चित करने को कहा गया ताकि पारदर्शिता बनी रहे। मतदाता सूची के एसआईआर कार्य और त्रुटि सुधार के आवेदनों का भी समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कोटवारी भूमि को अहस्तांतरणीय दर्शाने तथा उसकी खरीदी-बिक्री पर रोक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मैदानी स्तर पर सक्रियता के निर्देश

प्राकृतिक आपदा सहायता के प्रकरणों पर समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि पटवारी स्वयं फील्ड में जाकर मौका मुआयना करें और दस्तावेजों को पूर्ण कर तत्काल जिला कार्यालय प्रेषित करें। उन्होंने वृक्ष कटाई के मामलों में राजस्व एवं वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सर्वे कर शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए गए।

छात्रों के लिए विशेष अभियान

लोक सेवा गारंटी अधिनियम के अंतर्गत स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के कार्य में तेजी लाने हेतु विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि मैदानी अमला सक्रिय होकर लक्ष्य को समय पर पूरा करे।

नियमित मॉनिटरिंग और रिपोर्टिंग

कलेक्टर ने नक्शा बटांकन, अभिलेख शुद्धता, किसान किताब वितरण, आधार सीडिंग और वन अधिकार पट्टों के लंबित मामलों की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने सभी एसडीएम को अपने-अपने अनुविभागों में कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा प्रत्येक माह प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

12 लीटर महुआ शराब के साथ महिला गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
12 लीटर महुआ शराब के साथ आबकारी उडऩदस्ता टीम ने आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। उडऩदस्ता टीम ने महिला के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार 4 फरवरी को आबकारी उडऩदस्ता टीम को मुखबिर से जानकारी मिली की मेन्ड्राकला निवासी बसंती केवट बिक्री करने के लिए अपने घर में काफी मात्रा में महुआ शराब रखी है। मुखबिर की सूचना पर आबकारी उडऩदस्ता टीम मौके पर पहुंचकर घर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान 12 लीटर महुआ शराब पाया गया। जिसे टीम ने जब्त कर महिला वसंती केवत को गिरफ्तार किया है। टीम ने महिला के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी रंजीत गुप्ता, आबकारी उप निरीक्षक टीआर केहरी, मुख्य आरक्षक कुमारू राम, अशोक सोनी, रमेश दुबे एवं महिला सैनिक चंद्रावती तथा राजकुमारी शामिल रहे।

ट्रांसफार्मर विद्युत उपकरण की चोरी दरिमा व गांधीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली विभाग के उपकरणों की चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। बीते दिनों ट्रांसफार्मर से कॉपर वायर और निम्नदाब लाइन का एबी केबल चोरी होने से विभाग को ढाई लाख रुपये से अधिक की आर्थिक क्षति हुई है। पुलिस ने दोनों मामलों में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार नमनाकला हाउसिंग बोर्ड रोड स्थित पुरानी पानी टंकी के पास व सुकन्या गर्ल्स हॉस्टल के सामने पोल पर 16 केव्हीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया है। 1 फरवरी की रात में अज्ञात चोरों ने ट्रांसफार्मर खोलकर कॉपर वायर चोरी कर लिया। इसकी सूचना मिलने पर छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के सहायक यंत्री ने 3 फरवरी को थाना गांधीनगर में शिकायत दर्ज कराई। इस चोरी से विभाग को लगभग 78 हजार रुपये का नुकसान हुआ है। दूसरी घटना दरिमा विद्युत वितरण केंद्र अंतर्गत हुई। यहां ग्राम बरकेला, टपरकेला और नवापाराकला में 31 जनवरी की रात से 2 फरवरी की सुबह के बीच करीब 1600 मीटर निम्नदाब फेस 3 और 4 का एबी केबल काटकर चोरी कर लिया गया। कनिष्ठ अभियंता विराजमान एक्का के अनुसार इस घटना से विभाग को लगभग 2 लाख 12 हजार रुपये की क्षति हुई है और क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति भी प्रभावित हुई।

पण्डो समाज ने सौंपा ज्ञापन,भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप

लखनपुर के मांजा-राजाकटेल में आदिवासी जमीन सुरक्षा की मांग

-संवाददाता-
लखनपुर,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
तहसील लखनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मांजा-राजाकटेल के विशेष पिछड़ी जनजाति पण्डो समाज के ग्रामीणों ने अपनी पुस्तैनी आदिवासी भूमि पर अवैध कब्जे का आरोप लगाते हुए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने कहा कि वे कई पीढियों से गांव की जमीन पर निवास करते आ रहे हैं और उनकी आजीविका,संस्कृति, परंपरा व धार्मिक आस्था पूरी तरह जल-जंगल-जमीन पर निर्भर है। ग्रामीणों ने बताया कि उनका गांव पांचवीं अनुसूची क्षेत्र में आता है,जहां आदिवासी भूमि की सुरक्षा के लिए विशेष संवैधानिक व कानूनी प्रावधान लागू हैं। इसके बावजूद बीते कुछ वर्षों से बाहर के क्षेत्रों से आए कुछ लोगों द्वारा आदिवासी जमीन पर जबरन मकान निर्माण कर अवैध कब्जा किया जा रहा है और स्थाई बसावट की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि जब वे इसका विरोध करते हैं तो उन्हें डराया-धमकाया जाता है और मारपीट की धमकी दी जाती है। अशिक्षा और आर्थिक कमजोरी के कारण वे अपने अधिकारों की रक्षा नहीं कर पा रहे हैं। इस अतिक्रमण से उनकी कृषि भूमि लगातार घट रही है,जिससे आजीविका प्रभावित हो रही है। साथ ही पारंपरिक सामाजिक व्यवस्था पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। पण्डो समाज ने प्रशासन से मांग की है कि गांव की भूमि का राजस्व जांच व सर्वे कराकर सभी अवैध अतिक्रमण तत्काल हटाए जाएं,दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए तथा आदिवासी भूमि व अधिकारों की सुरक्षा के लिए स्थायी प्रशासनिक संरक्षण प्रदान किया जाए। ज्ञापन कार्यक्रम में सनमान पण्डो,दरोगा पण्डो, गणेश पण्डो,राजेश पण्डो, रामधन पण्डो, कमला, बंधना सहित बड़ी संख्या में पण्डो समाज के लोग उपस्थित रहे।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगाने का मामला,लखनपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

-संवाददाता-
लखनपुर,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
थाना लखनपुर पुलिस ने नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपी युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पीड़िता को बहला-फुसलाकर शादी का झांसा दिया और फिर जबरन दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। मामले में प्रार्थी ने थाना लखनपुर पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसकी नाबालिग बेटी 15 जनवरी 2026 को बिना बताए घर से चली गई है। परिजनों ने आसपास व रिश्तेदारों में तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। इस पर थाना लखनपुर में धारा 137(2) बीएनएस में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम लगातार नाबालिग बालिका की तलाश कर रही थी। सतत प्रयासों के बाद बालिका को दस्तयाब कर पूछताछ की गई। बालिका ने बताया कि वीरेंद्र यादव नामक युवक उसे बहला-फुसलाकर भगा ले गया और शादी का झांसा देकर जबरन दुष्कर्म किया।

मोबाइल प्री-बुकिंग के नाम पर 16 लाख की ठगी,अपराध दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
शहर में मोबाइल प्री-बुकिंग पर भारी छूट का झांसा देकर युवक से करीब 16 लाख रुपये की ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित अर्पित अग्रवाल की शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अर्पित अग्रवाल ने बताया कि अप्रैल 2024 में उसकी पहचान रियल स्टेट कारोबारी आदित्य गुप्ता से हुई थी। आदित्य ने स्टॉक मार्केट में निवेश का प्रस्ताव दिया और दोनों के बीच 6 लाख रुपये निवेश को लेकर 75-25 प्रतिशत लाभ-हानि की साझेदारी तय हुई। अक्टूबर 2025 में आदित्य ने अर्पित की मुलाकात आयुष सिंह राजपूत से कराई, जिसे उसने बड़ा रेत माफिया और कान्हा मोबाइल से जुड़ा व्यक्ति बताया। इसके बाद आयुष सिंह ने अर्पित को विवो के फ्लैगशिप फोन की प्री-बुकिंग पर भारी छूट का लालच दिया। आयुष के कहने पर अर्पित ने 12 नवंबर 2025 को कान्हा मोबाइल दुकान में क्रेडिट कार्ड से पहला ट्रांजेक्शन किया। आरोपी ने 14 दिन में डिलीवरी या रकम वापसी का भरोसा दिलाया। इसके बाद 25 और 28 नवंबर को करीब 5 लाख, 10 दिसंबर को 2 लाख, 12 दिसंबर को 5 लाख तथा 17-18 दिसंबर को 2.80 लाख और 66 हजार रुपये के कई ऑनलाइन ट्रांजेक्शन कान्हा मोबाइल के खाते में कराए गए।

आईएएसभीम सिंह ने उपअभियंता को तत्काल प्रभाव से निलंबन करने का दिया निर्देश

छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण आईएएस भीम सिंह ने चलाया चलाया चाबुक

भीम सिंह एवं प्रमुख अभियंता पीआरडी,पीएम जनमन सड़कों का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
बलरामपुर,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
मुख्य कार्यपालन अधिकारी छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण आईएएसभीम सिंह व प्रमुख अभियंता पीआरडी केके कटारे ने बलरामपुर-रामानुजगंज ज़िले में चल रहे पीएम जनमन सड़को का निरीक्षण किया। दो दिवसीय निरीक्षण में ज़िले के कुल 6 सड़को का गहन निरीक्षण एवं गुणवत्ता जांच की गई। उनके द्वारा लक्षित हितग्राही विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा आदिवासियों से रुक कर वार्तालाप किया गया साथ ही जनमन की सड़को से उनके दिनचर्या में क्या परिवर्तन आया इस संबंध में भीम सिंह द्वारा उनसे प्रश्नोत्तर किया गया। सभी सड़को में मोबाइल टेस्टिंग लैब के माध्यम से जांच की गई जिसमे सड़क लेयर की थिकनेस एवं बाकी मटेरियल की जांच की गई। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर मौजूद रही।

पूछने के दौरान बताया गया...: पहाड़ी कोरवा बिफना राम एदगे ने बताया कि जनमन सड़को से मोटर साइकिल,ट्रैक्टर का आना-जाना आसान हुआ है। पहले धान बेचने हेतु मोटर साइकिल से बोरा धान मंडी ले जा रहे थे। अब ट्रैक्टर से फुल लोड धान का बोरा ले जा रहे है। साथ ही पहाड़ी कोरवा सूखना हसदा व परमेश्वर हसदा ने रोड में डामर की मोटाई बढ़ाने की बात कही। पहाड़ी कोरवा गुरेन्दर ने बताया कि उनके आवास हेतु ईट, सीमेंट जनमन के सड़क के माध्यम से पहुंच रहा है। भीम सिंह ने जनमन सड़क के नजदीक निवासरत लगभग हर पीवीटीजी पहाड़ी कोरवा से बात की। जिसमे भीम सिंह ने उनसे यह भी पूछा गया कि यह सड़क किस योजना से बन रही है। जिस पर उन्हें बसाहट के अंदर संतोष प्रद जवाब नहीं मिल पाया। कार्यपालन अभियंता पीएमजीएसवाई को जनमन योजना के प्रचार के लिए एवं हितग्राहियों के जागरूक करने हेतु वाल राइटिंग करने एवं पंचायतों की बैठकों में पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को भेज कर योजना की जानकारी लक्षित हितग्राहियों को देने के निर्देश दिए। जांच के दौरान एक सड़क पस्ता चिलमाखुर्द पीएमजीएसवाई रोड से बासीमुड़ा में हुए डामर कार्य में प्रमुख अभियंता केके कटारे एवं भीम सिंह ने नाराजगी जताई गई। सड़क के उप अभियंता को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। ठेकेदार को बीटी सरफेस को पुनः बनाए जाने के निर्देश दिए गए अर्थात् पूरी सड़क में फिर से डामर किया जाएगा।

जिले में विकासखण्ड स्तरीय सरगुजा ओलम्पिक का भव्य समापन...खेलों के माध्यम से उभर रही ग्रामीण प्रतिभाएँ

-संवाददाता-
बलरामपुर,04 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के नेतृत्व में जिले के सभी विकासखण्डों में आयोजित विकासखण्ड स्तरीय सरगुजा ओलंपिक का भव्य समापन हुआ। ओलंपिक में जिले के विभिन्न ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों से आए खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाते हुए अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। ओलंपिक के अंतर्गत 12 विभिन्न खेल विधाओं में प्रतियोगिता आयोजित किया गया। जिनमें जूनियर एवं सिनियर वर्ग में पंजीकृत 67 हजार 380 प्रतिभागी, जिसमें युवा, किशोर एवं बच्चों ने भाग लेकर खेल भावना, अनुशासन के साथ प्रतिस्पर्धा किया। सरगुजा ओलंपिक ने प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ-साथ आगे बढ़ने का अवसर भी प्रदान किया। समापन समारोह के दौरान आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं अतिथियों की उपस्थिति में विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिससे खिलाड़ियों में खेलों के प्रति और अधिक उत्साह बढ़ा। जनप्रतिनिधियों ने अपने उद्बोधन में कहा कि बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के युवा खेल के क्षेत्र में प्रतिभा रखते हैं और आने वाले समय में वे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन करेंगे। जहां वैश्विक स्तर पर अनेक प्रसिद्ध खिलाड़ी ग्रामीण अंचलों से निकलकर अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुँचे हैं और सरगुजा अंचल के युवा भी उसी राह पर आगे बढ़ रहे हैं। जनप्रतिनिधियों ने विकासखण्ड स्तर पर चयनित विजेता खिलाड़ियों को आगामी जिला स्तरीय सरगुजा ओलंपिक प्रतियोगिता के लिए बेहतर प्रदर्शन करने शुभकामनाएं भी दी। उल्लेखनीय है कि सरगुजा ओलंपिक जैसी प्रतियोगिताएं ग्रामीण प्रतिभाओं को पहचान दिलाने का सशक्त माध्यम हैं। इससे खिलाड़ियों को मंच मिलता है साथ ही स्वस्थ्य जीवनशैली, अनुशासन और खेल भावना भी विकसित होती है।

मैनपाट महोत्सव स्थल पर तैयारियों का कलेक्टर अजीत वसंत ने लिया जायजा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को मैनपाट महोत्सव स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने आगामी 13,14 एवं 15 फरवरी को रोपाखार जलाशय के समीप आयोजित होने वाले कार्यक्रम स्थल में डोम निर्माण, मंच व्यवस्था, साज-सज्जा, ग्रीन रूम की जानकारी ली तथा हेलीपैड स्थल, मेला स्थल,विभागीय स्टॉल स्थल का अवलोकन किया। उन्होंने मुख्य अतिथियों, वीआईपी, वीवीआईपी, मीडिया तथा आमजनों हेतु बैठक व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने रूट चार्ट, पार्किंग व्यवस्था, आवागमन, सुरक्षा आदि की विस्तृत जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोगों को आवागमन में किसी प्रकार की समस्या ना हो, पूरे आयोजन में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहे। उन्होंने अधिकारियों को समय सीमा में सभी तैयारियां पूरी करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी आपसी समन्वय कर कार्यक्रम को सफल बनाना सुनिश्चित करें। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री विनय अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह ढिल्लों, एसडीएम श्री रामसिंह ठाकुर सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला न्यायालय सूरजपुर के नवीन भवन निर्माण को लेकर अधिवक्ता संघ सक्रिय,वित्त मंत्री ओपी चौधरी से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन

-संवाददाता-
सूरजपुर,04 फरवरी 2026
(घटती-घटना)।

जिला न्यायालय सूरजपुर के नवीन भवन निर्माण की लंबे समय से चली आ रही मांग को लेकर जिला अधिवक्ता संघ लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में हाल ही में छत्तीसगढ़ के मुख्य न्यायाधीश से मुलाकात के बाद अधिवक्ता संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अंबिकापुर प्रवास पर पहुंचे प्रदेश के वित्त मंत्री ओपी चौधरी से भेंट कर अपनी मांगों को दोहराते हुए शीघ्र निराकरण की अपेक्षा जताई, जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बलराम शर्मा ने बताया कि वित्त मंत्री ने अधिवक्ताओं की समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुना तथा मौके पर ही संबंधित कलेक्टर को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मंत्री के इस आश्वासन के बाद अधिवक्ताओं में यह उम्मीद जगी है कि जिला न्यायालय के नए भवन निर्माण की प्रक्रिया अब तेजी से आगे बढ़ सकेगी।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2013 में जिला न्यायालय सूरजपुर का गठन तो कर दिया गया था, लेकिन आज तक न्यायालय पुराने तहसील न्यायालय भवन से ही संचालित हो रहा है। समय के साथ न्यायालय में पीठासीन अधिकारियों, अधिवक्ताओं और लंबित प्रकरणों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है, जबकि भवन की सीमित क्षमता के कारण अधिवक्ताओं, पक्षकारों और आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाओं के अभाव में कई प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, अधिवक्ता संघ ने वित्त मंत्री से आग्रह किया है कि कैंपा मद की शेष राशि वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति से पहले जमा कराई जाए, जिससे नवीन जिला न्यायालय भवन निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो सके और न्यायिक कार्य सुचारू रूप से संचालित हो सके। संघ का कहना है कि नया भवन बनने से न केवल अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा, बल्कि आम नागरिकों को भी सुविधाजनक न्यायिक सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी, वित्त मंत्री से मुलाकात करने वाले प्रतिनिधिमंडल में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बलराम शर्मा, लोक अभियोजक राजू दास सहित अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे, अधिवक्ता संघ ने उम्मीद जताई है कि सरकार जल्द ही सकारात्मक निर्णय लेकर वर्षों से लंबित इस मांग को पूरा करेगी।

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा में निःशुल्क कैंसर जांच का हुआ आयोजन

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर बुधवार को शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवापारा में निःशुल्क कैंसर जांच एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 60 मरीजों ने पंजीयन कराया। शिविर में कैंसर विशेषज्ञ डॉ. हिमांशु गुप्ता द्वारा मरीजों का उपचार एवं परामर्श प्रदान किया गया। विश्व कैंसर दिवस की थीम 'United by Unique' के अंतर्गत कैंसर से संबंधित जागरूकता प्रस्तुति एवं परामर्श सत्र भी आयोजित किया गया। जिसमें प्रत्येक मरीज की बीमारी की विशिष्टता,समय पर जांच, नियमित उपचार एवं सकारात्मक सोच के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस दौरान मरीजों एवं उनके परिजनों को उपचार के प्रति प्रेरित किया गया। इस अवसर पर शहरी सीएचसी नवापारा की प्रभारी चिकित्सक डॉ. शीला नेताम, स्टाफ नर्सेस एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी, साथ ही मरीजों के परिजन भी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान मरीजों को निःशुल्क कैंसर दवाएं भी प्रदान की गईं।

व्यापार समाचार

सेंसेक्स 79 अंक बढ़कर 83,818 पर बंद:निफ्टी भी 48 अंक चढ़ा,ऑटो और एनर्जी शेयर में खरीदारी रही

नई दिल्ली,04 फरवरी 2026। आईटी सेक्टर में आई जबरदस्ती गिरावट के बावजूद घरेलू शेयर बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। बुधवार को कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे पहले आधे घंटे में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक उछल कर हरे निशान में पहुंच गए। इसके बाद पूरे दिन बाजार में लिवालों और बिकवालों के बीच खींचतान चलती रही, जिसकी वजह से दोनों सूचकांकों की चाल भी ऊपर-नीचे होती रही। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद होने में सफल रहे। बुधवार को कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर जबरदस्त गिरावट का शिकार हो गया। एंथ्रोपिक द्वारा नये वर्कप्लेस प्रोडक्टिविटी और ऑटोमेशन टूल्स लॉन्च करने के कारण आईटी सेक्टर में खलबली मची रही, जिसकी वजह से निफ्टी का आईटी इंडेक्स 5.87 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑयल एंड गैस, कैपिटल गुड्स और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में भी खरीदारी का जोर बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी बुधवार को आमतौर पर खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स

0.51 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.02 प्रतिशत की बढ़त के साथ बुधवार को कारोबार का अंत किया। बुधवार को शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन बुधवार को कारोबार के बाद बढ़ कर 469.02 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 467.15 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को बुधवार को कारोबार से करीब 1.87 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। बुधवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,366 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,726 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,477 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 163 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में बुधवार को 2,923 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 2,012 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 911 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान में और 13 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स बुधवार को 487.07 अंक की गिरावट के साथ 83,252.06 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण पहले आधे घंटे में ही यह सूचकांक उछल कर हरे निशान में पहुंच गया। हालांकि इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। दोपहर एक बजे के बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बनाया, जिससे सेंसेक्स रिकवरी करके 208.40 की मजबूती के साथ 83,947.53 अंक के स्तर तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 78.56 अंक की मामूली बढ़त के साथ 83,817.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने बुधवार को 52.50 अंक टूट कर 25,675.05 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद इस सूचकांक की चाल में लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। बिकवाली के दबाव में निफ्टी 163.60 अंक फिसल कर 25,563.95 अंक तक गिर गया।

आय फाइनेंस का आईपीओ 9 फरवरी को खुलेगा,प्राइस बैंड 122-129 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली,04 फरवरी 2026। आय फाइनेंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 9 फरवरी को खुलेगा। निवेशक इसमें निवेश के लिए 11 फरवरी तक बोली लगा सकते हैं। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 122-129 रुपये प्रति शेयर तय किया है। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में बताया कि 2 रुपये फेस वैल्यू वाला यह आईपीओ नौ फरवरी को खुलेगा और 11 फरवरी को बंद होगा, जबकि बड़े (एंकर) निवेशक छह फरवरी को इसके लिए बोली लगा पाएंगे। इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 122-129 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी के शेयर 16 फरवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर सूचीबद्ध होंगे। आय फाइनेंस लिमिटेड 1,010 करोड़ रुपये के आईपीओ में 710 करोड़ रुपये तक के नए शेयर और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 300 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। निवेशक कम से कम 116 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं और उसके बाद 116 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगा सकते हैं।

गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) आय फाइनेंस लिमिटेड का आईपीओ लाने का उद्देश्य भविष्य में कारोबार में वृद्धि और परिसंपत्ति खंड के विस्तार के लिए अपने पूंजी आधार को मजबूत करना है।

प्रदेश का आदेश नीचे...माला ऊपर !

कोरिया साहू समाज में किसका संविधान चल रहा?

पत्र आया रायपुर से,फैसला हुआ कोरिया में... संगठन या 'मैं ही अध्यक्ष' मॉडल?

नियम बनाम मनमर्जी : कोरिया में साहू समाज की राजनीति का नया अध्याय...

जब आदेश हार गया और घोषणा जीत गई... कोरिया का अनोखा अध्यक्षीय ड्रामा...

प्रदेश की स्याही हल्की या माला भारी ? साहू समाज में उठे तीखे सवाल...

कोरिया मॉडल : पहले अध्यक्ष घोषित करो,बाद में नियम पढ़ो!

संगठन का आदेश बनाम स्थानीय ऐलान... साहू समाज में बढ़ता टकराव...

-रवि सिंह-

कोरिया,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले में साहू समाज की सियासत इन दिनों ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है,जहां संगठनात्मक अनुशासन और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा आमने-सामने नजर आ रही है,प्रदेश स्तर से स्पष्ट आदेश जारी होने के बाद भी यदि कोई नेता खुद को अध्यक्ष घोषित करता है,तो यह सिर्फ एक पद की लड़ाई नहीं,बल्कि पूरे संगठनात्मक ढांचे को खुली चुनौती माना जाएगा, प्रदेश साहू संघ द्वारा 31 जनवरी 2026 को जारी पत्र कोई साधारण कागज नहीं था,बल्कि वह संगठन की आधिकारिक लाइन थी-जिसमें चुनाव प्रक्रिया को निरस्त कर नई व्यवस्था लागू करने की बात कही गई थी,सवाल यह उठता है कि जब शीर्ष नेतृत्व ने दिशा तय कर दी थी,तो फिर कोरिया में अलग राह क्यों चुनी गई? क्या यहां प्रदेश के नियम नहीं चलते या फिर कुछ लोगों ने खुद को नियमों से ऊपर मान लिया है?

बता दे की छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के स्पष्ट निर्देशों के बाद भी कोरिया जिले में जिस तरह से अलग बैठक कर खुद को जिला अध्यक्ष घोषित करने की खबर सामने आई है,उसने पूरे साहू समाज की राजनीति को गरमा दिया है, 31 जनवरी 2026 को प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र साहू द्वारा जारी आधिकारिक पत्र में निर्वाचन प्रक्रिया निरस्त कर नई व्यवस्था लागू करने की बात कही गई थी, लेकिन आरोप है कि इन आदेशों को दरकिनार कर जगदीश साहू ने माला पहनकर खुद को यथावत अध्यक्ष घोषित कर दिया।

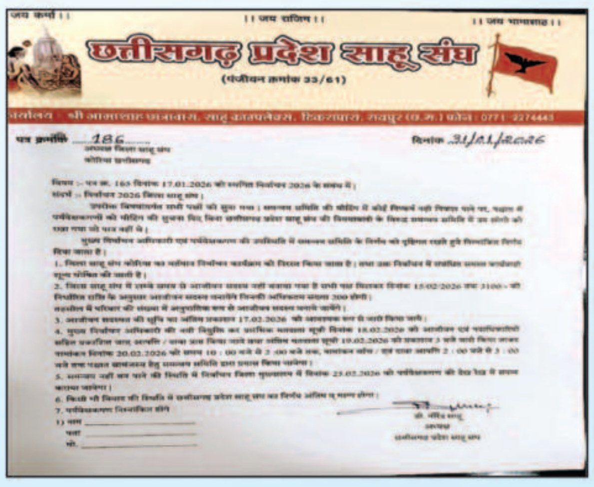

प्रदेश से ऊपर कौन? समाज में उठे तीखे सवाल

प्रदेश स्तर के पत्र में साफ लिखा गया था कि किसी भी विवाद की स्थिति में प्रदेश साहू संघ का निर्णय अंतिम और मान्य होगा,इसके बावजूद स्थानीय स्तर पर अलग रास्ता अपनाए जाने से समाज के भीतर तीखी चर्चा शुरू हो गई है,कई सदस्य सवाल उठा रहे हैं कि आखिर कोरिया जिले में प्रदेश संगठन का आदेश चलेगा या कुछ चुनिंदा लोगों की मनमर्जी?

सीमित बैठक...बड़ा फैसला...वैधता पर घिरा ऐलान...

सूत्रों का कहना है कि जिस बैठक में अध्यक्ष होने की घोषणा की गई, उसमें सीमित लोग मौजूद थे,विरोध करने वाले सदस्यों का आरोप है कि यह कदम संगठनात्मक अनुशासन को चुनौती देने जैसा है और इससे समाज दो खेमों में बंटता नजर आ रहा है। हालांकि समर्थक पक्ष इसे स्थानीय निर्णय बताते हुए वैध ठहराने की कोशिश कर रहा है।

पत्र नहीं मानते...चर्चाओं ने बढ़ाई सियासी गर्मी...

अंदरखाने यह भी चर्चा है कि जगदीश साहू ने प्रदेश अध्यक्ष के पत्र को मानने से इंकार किया है, यदि यह दावा सही है तो इसे संगठन के इतिहास में बड़ी चुनौती माना जा रहा है। हालांकि इस कथित बयान की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन समाज में इसे लेकर जबरदस्त बहस छिड़ गई है।

अब क्या करेगा प्रदेश नेतृत्व ?

पूरा मामला अब प्रदेश साहू संघ के अगले कदम पर टिक गया है, समाज के वरिष्ठ लोग मानते हैं कि अगर इस विवाद पर सख्त और स्पष्ट फैसला नहीं आया तो संगठनात्मक अनुशासन पर सवाल और गहरे हो सकते हैं। कई लोग इसे संगठन बनाम व्यक्ति की लड़ाई तक बता रहे हैं।

समाज में बढ़ता असंतोष

कोरिया जिले में हालात ऐसे बन गए हैं कि आम सदस्य भी असमंजस में हैं...आखिर असली नेतृत्व किसके पास है? प्रदेश अध्यक्ष का लिखित आदेश या स्थानीय स्तर पर की गई घोषणा? आने वाले दिनों में प्रदेश नेतृत्व की प्रतिक्रिया तय करेगी कि यह विवाद शांत होगा या साहू समाज की राजनीति में और बड़ा तूफान खड़ा करेगा।

बैकुंठपुर को शीघ्र मिलेगा 200 बिस्तरीय नवीन जिला चिकित्सालय भवन

शेष निर्माण के लिए 22 करोड़ 59 लाख रुपए स्वीकृत, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल रंग लाई

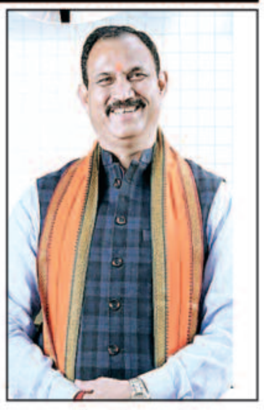

-संवाददाता-

रायपुर/कोरिया,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए कोरिया के बैकुंठपुर में निर्माणाधीन 200 बिस्तरीय नवीन जिला चिकित्सालय भवन को पूरा करने के लिए शासन ने 22 करोड़ 59 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान कर दी है। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के विशेष प्रयासों से वर्षों से अधूरा पड़ा यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट अब जल्द ही गति पकड़ने जा रहा है। मुख्य बजट वर्ष 2025-26 में राशि शामिल होने के बाद निर्माण कार्य पुनः शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है।

डीएमएफ मद से शुरू हुआ था निर्माण,बजट अभाव में रुका कार्य

वित्तीय वर्ष 2020-21 में जिला खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) मद से इस परियोजना के लिए 35 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई थी। निर्माण एजेंसी को छह किस्तों में केवल 13 करोड़ रुपए ही जारी हो सके थे। इसी बीच कोरिया जिले के विभाजन और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के गठन के बाद डीएमएफ मद से राशि आवंटन प्रभावित हुआ और बजट की कमी के कारण निर्माण कार्य लंबे समय से ठप पड़ा था।

स्वास्थ्य मंत्री की पहल से मिली नई गति

इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य परियोजना को लेकर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने शासन स्तर पर लगातार समीक्षा और समन्वय किया। उनके निर्देश पर छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉरपोरेशन लिमिटेड (सीजीएमएससी) द्वारा विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर राज्य शासन को भेजा गया। प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए शेष निर्माण के लिए 22 करोड़ 59 लाख रुपए की स्वीकृति दी गई,जिससे अब अस्पताल भवन का कार्य जल्द पुनः प्रारंभ होगा।

जिले को मिलेगी बड़ी स्वास्थ्य सौगात

200 बिस्तरों वाले आधुनिक जिला चिकित्सालय भवन के पूर्ण होने से कोरिया जिले सहित आसपास के सीमावर्ती क्षेत्रों के हजारों नागरिकों को बेहतर और उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। गंभीर मरीजों को इलाज के लिए दूरस्थ बड़े शहरों में जाने की मजबूरी कम होगी और स्थानीय स्तर पर ही आधुनिक उपचार उपलब्ध हो सकेगा। इसे राज्य की स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

जनप्रतिनिधियों और जनमानस ने जताया आभार

प्रशासकीय स्वीकृति मिलने पर विधायक भैयालाल राजवाड़े, भाजपा जिलाध्यक्ष देवेंद्र तिवारी,जिला पंचायत अध्यक्ष मोहित राम पैकरा सहित जिले के कई जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने स्वास्थ्य मंत्री का आभार व्यक्त किया है। सभी ने उम्मीद जताई कि निर्माण कार्य अब तेजी से पूरा होगा और जिले को जल्द ही अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिलेगा, अगर चाहें तो मैं इसी खबर के लिए दमदार हेडिंग के 5-7 विकल्प,फ्रंट पेज लीड स्टोरी स्टाइल या राजनीतिक प्रतिक्रिया जोड़कर विस्तृत संस्करण भी तैयार कर दूं।

आज़ादी से पहले आज़ादी वाली पंक्ति पर सियासत गर्म...कोरिया कांग्रेस के नव नियुक्त जिला महामंत्री के सोशल मीडिया पोस्ट ने खड़ा किया सवाल

-संवाददाता-

कोरिया,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस जिला कोरिया के संगठनात्मक विस्तार के बाद नव नियुक्त जिला महामंत्री के एक सोशल मीडिया पोस्ट ने जिले की राजनीतिक फिजा में नई बहस छेड़ दी है,संगठन में नई जिम्मेदारी मिलने के बाद लिखे गए धन्यवाद संदेश में इस्तेमाल की गई एक पंक्ति-भारत की आज़ादी के पहले स्वतंत्रता दिलाने-अब चर्चा और विवाद का केंद्र बन गई है,स्थानीय स्तर पर लोग इस कथन के अर्थ और ऐतिहासिक संदर्भ को लेकर अलग-अलग तरह के सवाल उठा रहे हैं।

हाल ही में जिला कांग्रेस कमेटी के विस्तार के दौरान संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से कई पदों पर मनोनयन किया गया, इसी क्रम में जिला मुख्यालय निवासी राजीव गुप्ता,जो युवा चेहरा माने जाते हैं और पूर्व में कांग्रेस शासनकाल में एल्डरमैन भी रह चुके हैं, को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई, पदभार मिलने के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावनात्मक पोस्ट साझा करते हुए जिला अध्यक्ष,पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया तथा नई कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं, पोस्ट के अंतिम हिस्से में उन्होंने कांग्रेस की ऐतिहासिक भूमिका का उल्लेख करते हुए लिखा कि आज़ादी से पहले स्वतंत्रता दिलाने और आज़ादी के बाद गौरवशाली भारत के निर्माण के लिए पार्टी ने लगातार बलिदान और संघर्ष किए,यहीं से विवाद की शुरुआत हुई,सोशल मीडिया पर कई लोगों ने सवाल उठाया कि आज़ादी से पहले आज़ादी का आशय क्या है? क्या यह शब्दों की त्रुटि है, भावनात्मक अतिशयोक्ति है या फिर इतिहास की गलत व्याख्या? राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भारत की स्वतंत्रता एक लंबा और बहुआयामी आंदोलन था, जिसमें अलग-अलग विचार धाराओं, संगठनों, क्रांतिकारियों और आम जनता का योगदान रहा,इसलिए जब भी कोई सार्वजनिक बयान दिया जाता है तो उसके शब्दों का चयन बेहद सावधानी से करना जरूरी होता है,क्योंकि छोटी सी पंक्ति भी बड़े राजनीतिक और वैचारिक विवाद को जन्म दे सकती है, स्थानीय स्तर पर कांग्रेस समर्थक इस पोस्ट को संगठन के प्रति आभार और भावनात्मक अभिव्यक्ति बता रहे हैं, जबकि विरोधी इसे इतिहास के तथ्यों से इतर बयान मानकर आलोचना कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर चल रही बहस में कुछ लोग यह भी पूछ रहे हैं कि यदि आज़ादी से पहले आज़ादी मिल गई थी तो फिर स्वतंत्रता आंदोलन का लंबा संघर्ष क्यों चला? फिलहाल जिला कांग्रेस की ओर से इस पोस्ट पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है,हालांकि,राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा जरूर तेज है कि क्या पार्टी नेतृत्व इस बयान पर स्पष्टीकरण देगा या इसे व्यक्तिगत अभिव्यक्ति मानकर नजरअंदाज किया जाएगा, आने वाले दिनों में यह मुद्दा स्थानीय राजनीति में किस दिशा में जाता है।

कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई जिला सरगुजा

दावा-आपत्ति

1. **बच्चे का नाम :-** शम्भू
2. **बच्चे का प्राप्ति दिनांक :-** 19.11.2025
3. **स्थान :-** सेवा भारती मातृछाया (विशेषीकृत्त दत्तक ग्रहण (एजेंसी) अम्बिकापुर जिला - सरगुजा (छ0ग0)
4. **शारीरिक बनावट एवं रंग :-** सांवला
5. **उम्र / जन्मतिथि :-** 21.05.2024

उक्त बालक को दिनांक 19.11.2025 से अस्थायी संरक्षण हेतु सेवा भारती मातृछाया (विशेषीकृत्त दत्तक ग्रहण एजेंसी) अम्बिकापुर में रखा गया है।

सर्व संबंधित जो कि बालक के वैधानिक पालक / अभिभावक होने का दावा आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं,प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला सरगुजा अथवा सेवा भारती मातृछाया (विशेषीकृत्त दत्तक ग्रहण एजेंसी) अम्बिकापुर में दर्ज करा सकते हैं। उक्त समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्तियों पर विचार नही किया जायेगा तथा दत्तक ग्रहण की कार्यवाही की जायेगी।

दूरभाष क0-9165205598

जिला बाल संरक्षण अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
अम्बिकापुर जिला- सरगुजा (छ0ग0)

जी नंबर-252606425/1

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक युगल किशोर तिवारी पिता रामजनम तिवारी जाति ब्राहम्ण निवासी बौरीपारा अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 2117/6 रकबा 0.022 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, भूमि उपयोगिता प्रमाण पत्र, सेटलमेन्ट, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 07/02/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — अनुविभागीय अधिकारी (रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202601020700149

विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26

अंबिकापुर (प ह न. 00015), पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार-पानो बाई राजवाडे,
अनावेदक पक्षकार-दशरथ राम, लक्ष्मी,महेश,

ईश्तहार

आवेदक पानो बाई राजवाडे पत्नी स्व0 लक्ष्मी राजवाडे व अन्य निवासी ग्राम अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित कुल खसरा नंबर 06 कुल रकबा 0.784 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृतक खातेदार लक्ष्मी राजवाडे का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/01/2026 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज, तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202602020700065

विषय:-ब-121 मामले की श्रेणी:- राजस्व सन्:-2025-26

झुमरपारा प.ह.न. 00027 [(हे0)]
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार-शिव प्रसाद राजवाडे,
अनावेदक पक्षकार - कोई नही,

ईश्तहार

आवेदक शिव प्रसाद राजवाडे आ0 स्व0 धन साय राजवाडे, निवासी ग्राम झूमरपारा, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम झुमरपारा स्थित खसरा नंबर 374/2 रकबा 0.057 हे0 भूमि को पंजीबद्ध विक्रयपत्र के माध्यम से क्रय किया गया है जिसका नामांतरण आवेदक के नाम पर हो चुका है, किन्तु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश आवेदक का नाम छूट गया है। आवेदक के द्वारा आवेदित भूमि पर अपना नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है. जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 27.02.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 03/02/2026 को जारी किया जाता है।

सील — उमेश्वर सिंह बाज, तहसीलदार,अंबिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा,छ0ग0

रा0प्र0क्र0...202504020700142 /अ-27/2024-25

फर्द बटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा0प्र0क्र0 202504020700142/अ-27/2024-25 पक्षकार रतनी बाई वगै. प्रति सजीवनदास वगै. में ग्राम बरढोढी स्थित खसरा नंबर 2/1, 24 /1, 115/1, 159, 186/1, 679/2 रकबा क्रमशः 0.451, 0.338, 0.127, 0.089, 0.297, 0.120 हे. भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है, जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/02/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

आज दिनांक 30/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील — तहसीलदार, अम्बिकापुर,सरगुजा

भाजपा का पट्टा पहनते ही नेता बनने की ख्वाहिश?

- राहुल की अचानक सक्रियता पर संगठन और शहर में उठे गंभीर सवाल
- खुद को भाजपा कार्यकर्ता बताने वाले राहुल पर सवाल, संगठन में पहचान अब भी अस्पष्ट
- नेता बनने की जल्दबाज़ी या आत्मप्रचार? राहुल की भूमिका पर उठी चर्चा
- भाजपा में नाम तो है, ज़मीन नहीं? राहुल की सक्रियता सवालों के घेरे में
- पार्टी मानती है या नहीं? राहुल को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में असमंजस
- हवा-हवाई नेता या ज़मीनी कार्यकर्ता? राहुल पर शहर में बहस तेज
- सोशल मीडिया के नेता? राहुल की राजनीतिक हकीकत पर सवाल
- उपलब्धियों के दावे बड़े, संगठन में भूमिका शून्य-राहुल चर्चा में
- भाजपा का कार्यकर्ता या स्वयंभू नेता? राहुल को लेकर उठे गंभीर प्रश्न
- फोटो, प्रचार और दावे...पर संगठन कहां है? राहुल पर सवाल

क्या वाकई पार्टी में कोई महत्व है? सबसे बड़ा प्रश्न यही है

क्या राहुल वास्तव में भाजपा संगठन में प्रभाव रखते हैं? क्या वे किसी निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा हैं? या फिर यह पूरा प्रभाव केवल सोशल मीडिया तक ही सीमित है? इन सवालों पर न संगठन की ओर से कोई पुष्टि है और न ही जमीनी कार्यकर्ताओं में कोई स्पष्ट धारणा...

क्या भाजपा उन्हें अच्छा कार्यकर्ता मानती है?

शहर में यह चर्चा तेज है कि राहुल स्वयं को भाजपा का समर्पित कार्यकर्ता बताते हैं,लेकिन संगठन के भीतर उनका नाम किसी जिम्मेदार या सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में सामने नहीं आता,पार्टी के कई पुराने कार्यकर्ताओं को आज भी यह स्पष्ट नहीं है कि उनका संगठनात्मक योगदान आखिर रहा क्या है,कुछ चर्चाएं यहां तक हैं कि उन्हें भाजपा की लुटिया डुबोने वाले कार्यकर्ताओं की श्रेणी में गिना जा रहा है हालांकि पार्टी की ओर से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है।

राजनीति का धुरंधर बताने की कोशिश...

राजनीतिक हलकों में यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा कार्यकर्ता बताकर वे स्वयं को राजनीति का बड़ा खिलाड़ी साबित करने का प्रयास कर रहे हैं,कई बार अपने ही दल के नेताओं पर निशाना साधते हुए बयानबाज़ी करते दिखाई देते हैं,आलोचना होते ही तीखी प्रतिक्रिया देकर पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचाते हैं,वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का मानना है कि अनुशासन आधारित पार्टी में इस तरह की बयानबाज़ी संगठन के लिए नुकसानदायक मानी जाती है।

जमीनी स्थिति आज भी सवालों में...

सबसे बड़ा सवाल यही है कि राहुल की जमीनी राजनीतिक स्थिति क्या है? किस बूथ,मंडल या संगठनात्मक इकाई से वे जुड़े रहे? किन आंदोलनों,चुनावों या पार्टी कार्यक्रमों में उनकी भूमिका रही? इन सवालों के ठोस जवाब आज तक किसी के पास नहीं हैं,पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि जमीनी स्तर पर उनकी उपस्थिति कभी दिखाई ही नहीं दी, जबकि आज वे स्वयं को बड़े नेताओं की श्रेणी में गिनाने लगे हैं।

उपलब्धियों के बड़े-बड़े दावे...

सोशल मीडिया पर द्वारा खुद को प्रभावशाली नेता बताना, यह जताना कि उन्होंने जनहित में असाधारण कार्य किए हैं,कई पुरस्कार और सम्मान मिलने के दावे, लगातार साझा किए जा रहे हैं, कार्यकर्ताओं का कहना है कि जिन उपलब्धियों का दावा किया जा रहा है,वैसी उपलब्धियां तो कई विधायक और मंत्री भी अपने कार्यकाल में नहीं गिनाते,इस प्रकार के दावे संगठन में चर्चा और असहजता का कारण बन रहे हैं।

अपने आप को बड़े नेताओं से ऊपर दिखाने की कोशिश...

राजनीतिक जानकारों का कहना है कि वे खुद को पार्टी के शीर्ष नेताओं के समकक्ष प्रस्तुत करते हैं,ऐसा व्यवहार मानो उन्होंने ऐसी उपलब्धियां हासिल कर ली हों जो बड़े-बड़े जनप्रतिनिधि भी नहीं कर पाए,यही कारण है कि उन्हें लेकर पार्टी के भीतर नाराजगी देखी जा रही है, भाजपा की कार्यसंस्कृति में विनम्रता और संगठन के प्रति समर्पण को प्राथमिक माना जाता है,न कि आत्मप्रशंसा को।

-रवि सिंह-

कोरिया,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। शहर की राजनीतिक गलियारों में इन दिनों एक नाम लगातार चर्चा में है राहुल वे स्वयं को भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता बताते हैं, लेकिन अब यह सवाल उठने लगा है कि क्या भाजपा वास्तव में उन्हें अपना सक्रिय और भरोसेमंद कार्यकर्ता मानती भी है या नहीं? स्थानीय स्तर पर चल रही चर्चाओं के अनुसार राहुल को लेकर पार्टी के भीतर और आम राजनीतिक हलकों में कई तरह की बातें सामने आ रही हैं। जैसे-जैसे चुनावी वर्ष नजदीक आ रहा है,वैसे-वैसे राजनीति में कई नए चेहरे अचानक सक्रिय होते दिखाई देने लगे हैं,इन्हीं में एक नाम इन दिनों बैकुंठपुर शहर में चर्चा का विषय बना हुआ है राहुल,जो स्वयं को भारतीय जनता पार्टी का कार्यकर्ता बताते हैं,हालांकि शहर और संगठन के भीतर यह सवाल अब खुलकर उठने लगे हैं कि क्या भाजपा वास्तव में उन्हें अपना सक्रिय और जमीनी कार्यकर्ता मानती है, या फिर यह केवल आत्मप्रचार की राजनीति है? राहुल को लेकर उठ रहे सवाल यह दर्शाते हैं कि भाजपा जैसे कैडर आधारित दल में बिना जमीनी संघर्ष के दावे संदेह के घेरे में आ जाते हैं,चुनावी समय में उभरे चेहरे संगठन की कसौटी पर खरे उतरेंगे या नहीं,यह समय तय करेगा क्योंकि राजनीति में नेता वही टिकता है जिसकी जड़ें जमीन में हों, हवा में उड़ने वाले चेहरे अक्सर समय के साथ खुद ही नीचे आ जाते हैं।

2024 से पहले कहां थे...कोई नहीं जानता...

यह सवाल भी लगातार उठ रहा है कि 2024 से पहले राहुल किस रूप में भाजपा के लिए सक्रिय थे? उनकी राजनीतिक पृष्ठभूमि क्या रही है? किस संगठन या सामाजिक गतिविधि से वे जुड़े रहे? इन बिंदुओं पर न तो कोई ठोस रिकॉर्ड सामने आया है और न ही संगठन के पास कोई स्पष्ट जानकारी।

न पद,न जिम्मेदारी,फिर संगठन में महत्व कैसे?

पार्टी सूत्रों के अनुसार राहुल ख़स किसी भी मंडल,जिला या मोर्चा पद पर नियुक्त नहीं रहे,संगठन की आधिकारिक सूची में उनके नाम पर कोई जिम्मेदारी दर्ज नहीं है,भाजपा कार्यालय में भी उनकी नियमित उपस्थिति नहीं देखी जाती,इसके बावजूद वे स्वयं को पार्टी का प्रमुख चेहरा बताकर प्रचार कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर उपलब्धियों की भरमार

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर द्वारा स्वयं को बड़े नेताओं की श्रेणी में बताया जाना,जनहित में असाधारण कार्यों के दावे, कई पुरस्कार और सम्मान मिलने की बातें लगातार साझा की जा रही हैं,कार्यकर्ताओं का कहना है कि जिन उपलब्धियों का दावा किया जा रहा है,वैसी उपलब्धियां तो कई विधायक और मंत्री भी अपने कार्यकाल में नहीं जता पाते।

हवा-हवाई नेता जैसी छवि...

स्थानीय राजनीति में अब उन्हें लेकर यह धारणा बनने लगी है कि उनकी राजनीति जमीन से नहीं,प्रचार से चलती है, कार्यकर्ता बनने से पहले नेता बनने की हड़बड़ी दिखाई देती है,गतिविधियां वास्तविक जनसेवा से अधिक दिखावे तक सीमित हैं,यही कारण है कि कई लोग उन्हें हवा-हवाई नेता कहकर संबोधित करने लगे हैं।

फोटो और माला तक सीमित राजनीति...

कार्यकर्ताओं के अनुसार राहुल की अधिकांश सक्रियता सरकारी कार्यालयों में जाकर चंदा एकत्र करने,अपने ही नेताओं को फूल-माला पहनाने,उनके दफ्तरों में जाकर फोटो खिंचवाने,फिर उन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर डालकर प्रभाव दिखाने तक सीमित नजर आती है,इन गतिविधियों का उद्देश्य केवल यह दर्शाना बताया जा रहा है कि पार्टी में उनका बहुत बड़ा महत्व है,जबकि वास्तव में उस महत्व को लेकर किसी के पास स्पष्ट जवाब नहीं है।

आलोचना से असहज, बयानबाज़ी से छवि धूमिल?

राजनीतिक हलकों में यह भी चर्चा है कि आलोचना सामने आते ही तीखी प्रतिक्रिया दी जाती है, अपने ही दल के नेताओं की ओर इशारेबाजी की जाती है, सार्वजनिक बयानों से पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचता है, वरिष्ठ नेताओं का मानना है कि भाजपा में अनुशासन सर्वोपरि है और गैर-जिम्मेदार बयान संगठन को कमजोर करते हैं।

अब फैसला क्षेत्र करेगा

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नेता वही होता है जिसे संगठन और जनता स्वीकार करे, फोटो,पोस्ट और प्रचार से नेतृत्व स्थापित नहीं होता,असली पहचान चुनाव और जनसमर्थन तय करते हैं,अब यह आने वाला समय और क्षेत्र की जनता तय करेगी कि राहुल ख़स किस श्रेणी के नेता हैं, वास्तविक जनसेवक या केवल चर्चा और प्रचार तक सीमित चेहरा।

पहले कभी नहीं दिखी सक्रियता,अब अचानक राजनीतिक उड़ान

स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं और राजनीतिक जानकारों के अनुसार राहुल की पार्टी में पूर्व में कोई उल्लेखनीय सक्रियता नहीं रही,न मंडल स्तर पर,न बूथ स्तर पर उनका नाम कभी प्रमुख कार्यकर्ताओं में शामिल रहा, संगठनात्मक बैठकों,आंदोलनों या चुनावी अभियानों में उनकी भागीदारी बेहद सीमित या नगण्य रही,इसके बावजूद पिछले कुछ समय से वे स्वयं को प्रभावशाली भाजपा कार्यकर्ता और उभरता नेता बताकर प्रचारित करते दिखाई दे रहे हैं।

2024 लोकसभा चुनाव से पहले टिकट का सपना?

शहर में चल रही राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार राहुल की सक्रियता का समय भी सवाल खड़े करता है,बताया जा रहा है कि 2024 लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उनकी गतिविधियां अचानक बढ़ी हैं,स्वयं को भावी प्रत्याशी के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश हो रही है,सोशल मीडिया के माध्यम से बड़ी राजनीतिक उपलब्धियों का दावा किया जा रहा है, हालांकि पार्टी के भीतर यह साफ है कि टिकट की प्रक्रिया संगठनात्मक मूल्यांकन और वर्षों के योगदान के आधार पर तय होती है।

वरिष्ठ भाजपाइयों को ओवरटेक करने की कोशिश?

भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं का कहना है कि वर्षों से संगठन में कार्य कर रहे नेताओं की अनदेखी की जा रही है,कुछ नए चेहरे स्वयं को वरिष्ठ नेताओं से अधिक प्रभावशाली बताने में लगे हैं,बिना किसी पद या जिम्मेदारी के स्वयं को शीर्ष नेतृत्व के समकक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है, इसी कारण संगठन के भीतर ओवरटेक राजनीति को लेकर असंतोष की चर्चाएं भी सामने आ रही हैं।

सायरन लगी गाड़ी बनी सवालों का केंद्र...

राहुल द्वारा उपयोग किए जा रहे वाहन पर लगे सायरन को लेकर भी लगातार सवाल उठ रहे हैं,स्थानीय नागरिकों और कार्यकर्ताओं का कहना है सायरन लगाने की अनुमति किसने दी? क्या उनके पास कोई शासकीय या संवैधानिक पद है? यदि नहीं, तो यह यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं तो क्या है? कानून के अनुसार सायरन का उपयोग केवल अधिकृत आपात सेवाओं या संवैधानिक पदाधिकारियों को ही अनुमन्य है।

जमीनी कार्यकर्ता या 'पैराशूट नेता'?

भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच इन दिनों एक शब्द तेजी से चर्चा में है पैराशूट नेता,अर्थात ऐसा व्यक्ति जो न संगठन की जमीन से जुड़ा हो,न बूथ स्तर पर कार्य किया हो,और सीधे चुनावी राजनीति में प्रवेश की आकांक्षा रखता हो,कई कार्यकर्ताओं का मानना है कि राहुल की वर्तमान छवि इसी श्रेणी में देखी जा रही है।

स्वास्थ्य व्यवस्था की 'रीढ़' पर प्रहारः 5 महीने से मानदेय अटका,आर्थिक संकट में घिरीं मितानिनें

मेहनत का मोल नहीं...वादों और दावों के बीच अटका भुगतान

मितानिनों का कहना है कि शासन-प्रशासन की अधिकांश स्वास्थ्य योजनाओं को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर होती है,लेकिन जब पारिश्रमिक की बात आती है तो केवल आश्वासन ही मिलता है। बार-बार ज्ञापन और शिकायतों के बावजूद विभागीय स्तर पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, सूत्रों के अनुसार,ब्लॉक समन्वयक,स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक और हेल्प डेस्क से जुड़े पदाधिकारियों का अक्टूबर माह से मानदेय लंबित है। वहीं कई मितानिनों का आरोप है कि प्रोत्साहन राशि भी दावा पत्रक के अनुसार पूरी नहीं दी गई और राज्य व केंद्रांश की राशि को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पा रही है।

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी से बढ़ी नाराजगी...

मामले में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की कथित बेरुखी ने स्वास्थ्य कर्मियों की नाराजगी और बढ़ा दी है। चुनावी मंचों पर बड़े-बड़े वादे करने वाले नेताओं पर मितानिनों ने सवाल उठाते हुए कहा कि अब जब वे आर्थिक संकट में हैं,तब उनकी समस्याओं को सुनने वाला कोई नजर नहीं आ रहा,एक मितानिन समन्वयक ने कहा, हम दिन-रात लोगों के स्वास्थ्य के लिए काम करते हैं,लेकिन आज हमारे अपने बच्चों का भविष्य संकट में है। पांच महीने का इंतजार कम नहीं होता, अब सब्र जवाब देने लगा है।

समाधान की उम्मीद में सीएमएचओ को सौंपा ज्ञापन

टकराव के बजाय संवाद का रास्ता अपनाते हुए मितानिन संगठन ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,जिला कोरिया को विस्तृत मांग पत्र सौंपा है। ज्ञापन में भुगतान प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने, लंबित मानदेय शीघ्र जारी करने और बजट स्थिति स्पष्ट करने की मांग की गई है,समन्वयकों का कहना है कि आर्थिक रूप से सुरक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता ही बेहतर सेवा दे सकता है और समय पर मानदेय मिलना 'स्वस्थ पंचायत' लक्ष्य की बुनियादी शर्त है,उन्होंने अधिकारियों से अपील की है कि इस देरी को सिर्फ प्रशासनिक प्रक्रिया न समझा जाए,बल्कि सैकड़ों परिवारों से जुड़े संकट के रूप में देखा जाए।

-राजन पाण्डेय-

सोनहत,04 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर तक पहुँचाने वाली मितानिनें,एम.टी.,ब्लॉक समन्वयक,स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक और हेल्प डेस्क में तैनात महिला स्वास्थ्य कर्मी इन दिनों खुद आर्थिक इलाज की मोहताज हो गई हैं। पिछले चार से पाँच महीनों से मानदेय नहीं मिलने के कारण इन कर्मियों की आर्थिक स्थिति डगमगा गई है। कई परिवारों के सामने राशन जुटाने और बच्चों की स्कूल फीस भरने तक का संकट खड़ा हो गया है।

समस्याएं जो बन चुकी हैं गंभीर चुनौती

कर्ज का बढ़ता बोझ

मानदेय न मिलने से कई कर्मियों को ऊंचे ब्याज पर उधार लेना पड़ा।

शिक्षा पर असर

स्कूल फीस न भर पाने से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

मनोबल में गिरावट

लगातार उपेक्षा से स्वास्थ्य कर्मियों का उत्साह और भरोसा कमजोर पड़ रहा है।

दो दीवाने शहर में...ट्रेलर

वैलेंटाइन वीक में होगी प्यार की दस्तक... मृणाल और सिद्धांत की फिल्म का ट्रेलर आउट

संजय लीला भंसाली की नई रोमांटिक फिल्म दो दीवाने शहर में का ट्रेलर जारी हो गया है। इसमें सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर पहली बार साथ नजर आएंगे। यह फिल्म वैलेंटाइन वीक पर 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक मॉर्डन लव स्टोरी है जो गलतफहमियों और सामाजिक दबाव के बीच भावनात्मक सच्चाई की तलाश करती है। संजय लीला भंसाली बहुत जल्द एक रोमांटिक लवस्टोरी दो दीवाने शहर में लेकर आने वाले हैं। इस मूवी में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर पहली बार साथ नजर आएंगे। फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

ये फिल्म वैलेंटाइन वीक पर 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 1.58 मिनट का ट्रेलर एक मार्डन लव स्टोरी की कहानी कहता है जो परफेक्शन को पीछे छोड़ इमोशनल सच की तलाश करता है। गलतफहमियां, सोशल प्रेशर और इमोशन्स के रोलरकोस्टर पर गढ़ी गई ये कहानी एक अनमैच कपल के साथ शुरू होती है जिसमें मृणाल एंड मोमेंट पर शादी के लिए मना कर देती है। वो भी बिना कोई कारण दिए।

दिल छू लेगा फिल्म का म्यूजिक

मृणाल और सिद्धांत बिल्कुल दो अपोजिट लोग हैं। मृणाल को बारिश में उमस और चिपचिप से नफरत हैं जबकि सिद्धांत चतुर्वेदी को उसमें चाय की चुस्की लेना पसंद है। ट्रेलर में एक लाइन है, हर इश्क परफेक्ट नहीं होता, पर काफी होता है। ऐसे में दोनों कैसे करीब आते हैं यही कहानी की मुख्य कड़ी है। फिल्म का बैकग्राउंड स्कोर अनुराग सैकिया ने दिया है,जो आपका दिल छू लेगा।

कौन-कौन से कलाकार आएंगे नजर

फिल्म में सिद्धांत और मृणाल के अलावा,इला अरुण,जॉय सेनगुप्ता,आयशा रजा,विराज गेहलानी, संदीपा धर,दीपराज राणा,मोना अंबेगांवकर,अचिंत कौर,नवीन कौशिक और मास्टर इनेश कोटियन भी हैं। फिल्म का टाइटल 1977 की फिल्म घरौंदा के गाने दो दीवाने शहर में से प्रेरित है,जिसमें अमोल पालेकर,जरीना वहाब, श्रीराम लागू और जलाल आगा ने अभिनय किया था।

दुष्कर्म,छेड़छाड़ और खूनी खेल से सरावोर है तापसी पन्नू की अस्सी

डायरेक्टर अनुभव सिन्हा जो अपनी सामाजिक चेतना से भरी फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं, एक बार फिर फिल्म अस्सी के साथ हाजिर हैं। फिल्म का ट्रेलर आज बुधवार को रिलीज कर दिया गया है। तापसी पन्नू इस दुष्कर्म, छेड़छाड़ और खूनी खेल में उलझी हुई दिख रही हैं। ये कोर्टरूम ड्रामा 20 फरवरी को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। आइये जानते हैं कैसा फिल्म का ट्रेलर।

दुष्कर्म, अपराध और षणयंत्र में गुंथी है कहानी

अपने करियर में सामाजिक मुद्दों पर कहानी कहने वाले डायरेक्टर अनुभव सिन्हा इससे पहले आर्टीकल 15, मुल्क, थप्पड़ और कांधार हाईजैक अपने कैमरे के लैंस के जरिए दर्शकों तक पहुंचा चुके हैं। अब एक बार फिर अनुभव एक रेप मामले पर फिल्म लेकर आ रहे हैं। नाम है अस्सी और इसमें हीरोइन हैं तापसी पन्नू। ये कोर्टरूम ड्रामा एक बार फिर महिलाओं की सुरक्षा और उनके प्रति आए दिन हो रहे अपराधों की बखिया उधेड़ती है। फिल्म का ट्रेलर बुधवार की शाम रिलीज कर दिया गया है। फिल्म अस्सी में तापसी पन्नू एक गैंगरेप पीड़िता के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रही वकील की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की भयावह वास्तविकता को उजागर करती है। वीडियो में तापसी पन्नू एक जज को एक बलात्कार मामले के बारे में बताती हुई दिखाई देती हैं और कहती हैं कि एक ही दिन में ऐसे 80 और मामले दर्ज किए गए थे। दमदार ट्रेलर में भारत की राजनीति, सत्ता संघर्ष और महिलाओं के खिलाफ अपराधों को भी दर्शाया गया है। फिल्म में कानी कुसरुति, मोहम्मद जीशान अय्यूब, रेवती, कुमुद मिश्रा,मनोज पाहवा,सुप्रिया पाठक कपूर और नसीरुद्दीन शाह भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

20 फरवरी को रिलीज होगी फिल्म

फिल्म 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म को लेकर मेकर्स के साथ दर्शक भी काफी उत्साहित हैं। अब देखना होगा कि क्या अनुभव कश्यप एक बार फिर अपनी सामाजिक चेतना से भरी ये फिल्म जो एंटरटेनमेंट से कोसों दूर है, अपना बॉक्स ऑफिस पर कोई निशान छोड़ पाती है या नहीं। फिल्म की कहानी गौरव सोलंकी ने लिखी है और उसमें तापसी के साथ जीशान अय्यूब भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं।

खत्म हुआ रिया चक्रवती का वनवास...

5 साल बाद एक्टिंग में होगी एक्ट्रेस की वापसी

रिया चक्रवर्ती को आखिरी बार अमिताभ बच्चन और इमरान हाशमी स्टारर फिल्म चेहरे में एक्टिंग करते हुए देखा गया था। हालांकि,5 साल से एक्ट्रेस अभिनय के फील्ड से दूर थीं। 5 साल के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार रिया चक्रवर्ती की एक्टिंग की दुनिया में वापसी हो गई है, जिससे उनके फैंस काफी खुश हैं।

रिया चक्रवर्ती एक्टिंग की दुनिया से एक लंबे समय से दूर थीं। सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद से ही उनका एक संघर्ष का दौर चल रहा था। पिछले कुछ सालों में उन्हें जेल जाने से लेकर सोशल मीडिया पर आलोचना तक कई चीजों से गुजरना पड़ा।

लगातार मिल रही नफरत के बीच रिया चक्रवर्ती ने खुद को संभाला और खुद का क्लोदिंग ब्रांड और यू-ट्यूब पर पॉडकास्ट शुरू किया, जहां उन्होंने अपने सबसे बुरे दौर के बारे में बताया। हालांकि, इस बीच रिया चक्रवर्ती ने रोडीज जैसा बड़ा रियलिटी शो किया,लेकिन पांच साल के कड़े संघर्ष के बाद रिया चक्रवर्ती के लिए फिर से अभिनय की दुनिया के दरवाजे खुले हैं और एक्ट्रेस जल्द ही वापसी करने के लिए तैयार हैं।

ओटीटी पर दमदार वापसी करेंगी रिया चक्रवर्ती

2021 से एक्टिंग की दुनिया से दूर रिया चक्रवर्ती जल्द ही नेटफ्लिक्स की आगामी सीरीज फैमिली बिजनेस से वापसी करने वाली हैं, जिसकी घोषणा बीते दिन ही ओटीटी प्लेटफॉर्म ने आधिकारिक तौर पर की है। इस सीरीज में वह अनिल कपूर और विजय वर्मा के साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करती हुई दिखाई देंगी,जिसका प्रीमियर इस साल के अंत तक नेटफ्लिक्स पर होने की उम्मीद है। रिया चक्रवर्ती ने भी अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फैमिली बिजनेस का टीजर शेयर किया और कैप्शन में लिखा,जब नया खून पुराने पैसे से टकराता है,तो पावर स्टेक पर लग जाती है और परिवार और बिजनेस के बीच की लाइन ब्लर हो जाती है। देखिए फैमिली बिजनेस, जल्द नेटफ्लिक्स पर।

सोशल मीडिया पर फैंस ने बरसाया प्यार

रिया चक्रवर्ती के पांच साल बाद एक्टिंग की दुनिया में वापसी को लेकर उनके फैंस काफी खुश नजर आए। एक यूजर ने लिखा,यह देखकर बहुत खुशी हो रही है कि फाइनली रिया एक्टिंग में वापसी कर रही हैं। दूसरे यूजर ने लिखा, रिया चक्रवर्ती देर आए दुरुस्त आए। एक और अन्य यूजर ने लिखा,रिया की जर्नी सच में साहस को दर्शाती है। वह सिर्फ रिस्पेक्ट ही नहीं,बल्कि लोग उनसे माफी मांगे यह भी डिजर्व करती हैं।

रिया चक्रवर्ती की फिल्मोग्राफी की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में तेलुगु फिल्म तुनीगा-तुनीगा से शुरुआत की थी,इसके बाद वह मेरे डैड की मारूति,सोनाली केबल,दोबारा,जैसी फिल्मों में दिखाई दीं। उनकी लास्ट फिल्म साल 2021 में इमरान हाशमी और अमिताभ बच्चन के साथ चेहरे थी।

खेल समाचार

चार डब्ल्यूटीए स्टार्स क्वार्टर फाइनल में

एलेक्स एला ने डबल्स में जीत दर्ज की

सैरा,04 फरवरी 2026। स्पेन के जुआन सलामा ने मिस्र गोल्फ सीरीज़ के पहले राउंड के बाद चार शॉट की बढ़त लेने के लिए 10-अंडर-पार का शानदार कोर्स रिकॉर्ड 60 बनाया। मदीनाटी गोल्फ क्लब में सलामा के शानदार राउंड ने पिछले रिकॉर्ड 63 को बेहतर बनाया और इसमें नौ बर्डी और पार-पांच नौवें होल पर एक चिप-इन ईगल शामिल था-जो दिन का उनका आखिरी होल था, क्योंकि खिलाड़ियों ने 10वें होल से शुरुआत की थी। स्पेनिश खिलाड़ी,जो पिछले हफ्ते एड्रेस मरासी में जैक डेविडसन से प्ले-ऑफ में दूसरे स्थान पर रहे थे, ने दिन का अपना एकमात्र शॉट आठवें होल पर गंवाया,जिसका मतलब है कि अगर वहां पार होता तो उन्हें जादुई 59 का स्कोर मिल जाता।

सलामा ने कहा, आज निश्चित रूप से जल्दी शुरुआत थी - मैं सुबह 3:45 बजे उठकर स्ट्रेचिंग कर रहा था, 4:30 बजे नाश्ता किया,और हम लगभग 5:30 बजे कोर्स पर पहुंचे, इसलिए मैं अंधेरे में वार्म-अप कर रहा था, जो काफी अजीब था। लेकिन यह असल में बहुत अच्छा रहा। मुझे सबसे पहले बाहर निकलना पसंद है क्योंकि ग्रीन्स बिना किसी फुटप्रिंट के एकदम सही होते हैं और गेंद बहुत अच्छी तरह से लुढ़कती है। मदीनाटी गोल्फ क्लब में इस पूरे हफ्ते स्थितियां शानदार रही हैं।

ईशान ने किया जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली,04 फरवरी 2026। पाकिस्तान के ओपनर सैम अयूब ने शानदार हालिया प्रदर्शन का पूरा फायदा उठाते हुए आईसीसी मेंस टी20 आई ऑलराउंडर रैंकिंग में टॉप पोजीशन हासिल कर ली है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सरज़मीं पर खेली गई तीन मैचों की टी 20आई सीरीज़ में 3-0 से मिली जीत के बाद सैम अयूब नंबर-1 बन गए हैं और उन्होंने जिम्बाब्वे के अनुभवी खिलाड़ी सिकंदर रजा को पीछे छोड़ दिया है. 23 वर्षीय सैम अयूब ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज में 119 रन बनाए और तीन विकेट भी हासिल किए थे। आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप के आगाज से ठीक पहले आई यह रैंकिंग पाकिस्तान के लिए बड़ी राहत मानी जा रही है,क्योंकि टीम 2009 के बाद अपने दूसरे टी 20 वर्ल्ड कप खिताब की तलाश में उतरने जा रही है। पाकिस्तान के लिए खुशखबरी यहीं खत्म नहीं होती। स्पिनर अबरार अहमद ने टी 20आई गेंदबाजों की रैंकिंग में दो स्थान की छलांग लगाकर दूसरा स्थान हासिल किया है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों में छह विकेट लेने वाले अबरार अब भारत के वरुण चक्रवर्ती से सिर्फ 28 रेटिंग अंक पीछे हैं. इसके अलावा मोहम्मद नवाज ने भी

शानदार प्रदर्शन किया है। आखिरी मुकाबले में पांच विकेट लेने के बाद नवाज गेंदबाज़ों की रैंकिंग में आठ स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर्स की सूची में भी नवाज एक पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर आ गए हैं। बल्लेबाजों की रैंकिंग में पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने 12 स्थान की छलांग लगाकर 29वां स्थान हासिल किया,जबकि सैम अयूब आठ स्थान ऊपर चढ़कर 27वें नंबर पर पहुंचे. टॉप-10 बल्लेबाजों में अभिषेक शर्मा अपनी बढ़त बनाए हुए हैं। वहीं जोस बटलर,पथुम निसंका,सूर्यकुमार यादव और टिम सिफर्ट को एक-एक स्थान का फायदा मिला है. ऑस्ट्रेलिया के कैमरन ग्रीन, साउथ अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक,भारत के ईशान किशन और रायन रिकेलटन ने भी बल्लेबाजों की रैंकिंग में बड़ा सुधार किया है।

ईशा ने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में दूसरा गोल्ड जीता

10 मीटर एयर पिस्टल सम्राट को ब्रॉन्ज

पहले दिन भारत ने 9 मेडल जीते

नई दिल्ली,04 फरवरी 2026। ईशा सिंह ने एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में दूसरा गोल्ड जीत लिया है। नई दिल्ली के डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में ईशा ने 239.8 का स्कोर किया। वहीं मेंस 10 मीटर एयर पिस्टल में सम्राट राणा को ब्रॉन्ज मेडल मिला।

19वें शॉट में बढ़त बनाई

बुधवार को खेले गए फाइनल में ईशा ने शुरुआती पांच शॉट के बाद सातवें स्थान से वापसी करते हुए 19वें शॉट के बाद निर्णायक बढ़त बनाई। चीनी ताइपे की चेंग येन चिंग को सिल्वर और यू वी एन को ब्रॉन्ज मिला।

सम्राट राणा को ब्रॉन्ज

पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में

भारत के सम्राट राणा ने 220.3 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। इस इवेंट में उज्बेकिस्तान के विलामदिर स्वेश्निकोव ने गोल्ड (242.0) और कजाखस्तान के वैलीरी राखीमजान ने सिल्वर जीता।

मनु भाकर को टीम इवेंट में गोल्ड

टीम इवेंट में भी भारत ने शानदार खेल दिखाया। विमेंस एयर पिस्टल टीम में ईशा सिंह, मनु भाकर और सुरुचि सिंह की तिकड़ी ने 1726 अंकों के साथ गोल्ड जीता, जो वियतनाम से 13 अंक अधिक रहा। पुरुष टीम में सम्राट राणा, श्रवण कुमार और वरुण तोमर को सिल्वर मिला।

जोनाथन को गोल्ड

जूनियर वर्ग में जोनाथन गेविन एंटोनी ने पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में 240.9 के स्कोर के साथ व्यक्तिगत स्वर्ण जीता और चिराग शर्मा और प्रियांशु यादव के साथ टीम गोल्ड भी हासिल किया। दिन के आखिरी इवेंट, पुरुष यूथ 10 मीटर एयर पिस्टल में भारत ने 1-2 फिनिश किया। धैर्य पराशर ने गोल्ड और मंदीप चौहान ने सिल्वर जीता, जबकि दोनों ने गिरीश गुप्ता के साथ मिलकर टीम गोल्ड भी अपने नाम किया।

पहले दिन भारत को 9 मेडल

कुल मिलाकर भारत ने पहले दिन 6 गोल्ड और 2 सिल्वर सहित 9 मेडल जीतकर पॉइंट्स टेबल में उज्बेकिस्तान से बड़ी बढ़त बना ली। सभी मुकाबलों का लाइव प्रसारण फैनकोड पर हो रहा है।

अगले साल मजबूती से वापसी करेंगे

वडोदरा,04 फरवरी 2026। हेड कोच माइकल क्लिंगर को लगा कि गुजरात जायंट्स के डब्ल्यूपीएल 2026 सीज़न में काफ़ी सुधार देखने को मिला,हालांकि कुल मिलाकर लक्ष्य पूरे न होने का एहसास रहा, क्योंकि टीम एलिमिनेटर में दिल्ली कैपिटल्स से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गई। पॉइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल करना एक सकारात्मक प्रगति थी और इससे पता चला कि जायंट्स ने लीग चरण के दौरान करीबी मैचों में धैर्य बनाए रखा। हालांकि, इससे सुधार के क्षेत्रों की भी पहचान हुई, खासकर सबसे अहम पलों में।

उन्होंने यूपी वॉरियर्स को क्लीन स्वीप किया, मुंबई इंडियंस के खिलाफ़ जीत न मिलने का लंबा सिलसिला खत्म किया, और सोफी डिवाइन के दबाव में शांत रहने की अहम भूमिका के साथ, आखिरी ओवर में दिल्ली कैपिटल्स को दो बार हराया। जीत का अंतर अक्सर बहुत कम था, और उनका आत्मविश्वास साफ़ था,भले ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से दोनों मुकाबलों में हार के कारण वे लीग चरण में बेहतर स्थिति हासिल नहीं कर पाए। जैसा कि क्लिंगर ने कहा,यह सीज़न एक बार फिर निराशा में खत्म हुआ, जिसमें जायंट्स 2025 और 2026 में लगातार एलिमिनेटर में जगह बनाने से चूक गए।

हां, निश्चित रूप से, इस साल सीधे दूसरे स्थान पर रहना एक बहुत बड़ा सुधार है। शायद हमने जो दो फ़ाइनल (एलिमिनेटर) खेले,पिछले साल और इस साल, दोनों में हमने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं किया। हमने आज अपनी टीम मीटिंग में इस बारे में बात की - कि जब हम अपने सर्वश्रेष्ठ के करीब खेलते हैं, तो हमारे पास इस प्रतियोगिता में किसी भी टीम को हराने का मौका होता है - और आज हम अपनी बैटिंग और बॉलिंग में वहां तक नहीं पहुंच पाए, क्लिंगर ने जायंट्स की डीसी से हार के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा।

फिर भी,कुल मिलाकर मूल्यांकन सकारात्मक रहा। हमने इस साल अपनी टीम के बारे में बहुत कुछ सीखा है। चाहे हम फ़ाइनल जीते हों या नहीं, या चैंपियनशिप जीते हों या नहीं,हम उन क्षेत्रों के बारे में काफ़ी साफ़ हैं जिनमें हमें अगले साल सुधार करने की ज़रूरत है। हमारे पास काफ़ी समय है - अब लगभग 10 महीने-स्थानीय और विदेशी दोनों खिलाड़ियों का और क्रिकेट देखने के लिए, थोड़ा बदलाव करने के लिए, और उम्मीद है कि अगले साल और बड़े और मज़बूत होकर वापस आएंगे।

लगातार दो साल क्वालिफ़ाई करना, हमेशा ऐसी टीमें होती हैं जो हमारी जगह पर होना ज़्यादा पसंद करेंगी,बजाय इसके कि वे पहले ही घर जा चुकी हों। इसलिए हम इससे संतुष्ट हैं,लेकिन साथ ही हम बड़ी चीज़ों का लक्ष्य बना रहे हैं। उन्होंने कहा, इस साल ऐसा नहीं हुआ, लेकिन हम क्वालिफाई करके खुद को मौका देते रहेंगे,और उम्मीद है कि अगले साल हम बड़े मैचों में और बेहतर क्रिकेट खेलेंगे। क्लिंगर ने टीम में भारतीय टैलेंट के बारे में उम्मीद जताई, और इस सीज़न को एक नींव के तौर पर देखा,न कि आखिरी पड़ाव के तौर पर। मुझे लगता है कि यह खिलाड़ियों के अगले कदम उठाने के बारे में है। अनुष्का (शर्मा) का अपने पहले साल में अच्छा सीज़न रहा। उन्हें कई अच्छी शुरुआत मिलीं,जो एक युवा खिलाड़ी के लिए शानदार है। उनके लिए अगला कदम यह समझना है कि वह कितनी अच्छी हैं, और वह आगे चलकर 300 से ज़्यादा रन बनाने वाली डब्ल्यूपीएल खिलाड़ी बन सकती हैं। वह एक शानदार खिलाड़ी और इंसान हैं,और अगले साल के डब्ल्यूपीएल से पहले उनके भारत के लिए खेलने का बड़ा मौका है। मुझे उम्मीद है कि वह ऐसा करेंगी,क्योंकि वह इंटरनेशनल अनुभव अगले साल हमारे लिए भी मददगार होगा।

श्रीलंका टी 20 वर्ल्ड कप के ग्रूप बी मैचों की मेजबानी करेगा

हैदराबाद,04 फरवरी 2026। श्रीलंका टी-20 वर्ल्ड कप के ग्रूप बी के मैच सिर्फ़ होस्ट कर रहा है,जिसमें दो पुराने चैंपियन श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं, जो 2014 की टीम के प्रदर्शन की बराबरी करना चाहते हैं। बुधवार को आईसीसी की मीडिया रिलीज़ के मुताबिक, 2021 का चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, जो अभी दुनिया में दूसरे नंबर पर है, उसके साथ आयरलैंड,ओमान और ज़िम्बाब्वे भी हैं। ऑस्ट्रेलिया मिशेल मार्श एक ऑस्ट्रेलियाई टीम को लीड कर रहे हैं, जिसके बैटिंग लाइन-अप में पावर और बॉल के साथ बहुत अनुभव है। और फिर भी आईसीसी मेन्स टी 20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया का हालिया रिकॉर्ड मिला-जुला रहा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम 2012 के बाद से सिर्फ़ एक बार सेमी-फ़ाइनल में पहुँची है,हालाँकि उस बार, वे 2021 के फ़ाइनल में न्यूज़ीलैंड को हराकर पूरी तरह से आगे बढ़ गए थे। मार्श उस दिन शो के स्टार थे,उन्होंने फ़ाइनल में 77 रन बनाए, और लगातार दूसरे टूर्नामेंट में टीम को लीड कर रहे हैं। ट्रैविस हेड, ग्लेन मैक्सवेल और कैमरन ग्रीन जैसे खिलाड़ी बल्ले से ज़बरदस्त प्रदर्शन करेंगे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के स्पिनर एडम ज़म्पा और कूपर कोनोली से भी बहुत उम्मीदें होंगी।

आयरलैंड के खिलाफ़ शुरुआत करते हुए,ऑस्ट्रेलिया तेज़ शुरुआत करना चाहेगा और 2021 के बाद पहली बार नॉकआउट स्टेज में वापसी करना चाहेगा। आयरलैंड आयरलैंड पहले आईसीसी मेन्स टी 20 वर्ल्ड कप को छोड़कर हर टूर्नामेंट में शामिल हुआ है और सुपर 8 स्टेज में जगह बनाने की उम्मीद करेगा। वे पिछली बार 2022 में पहले राउंड से आगे बढ़े थे,एक ऐसे टूर्नामेंट में जिसमें उन्होंने चैंपियन इंग्लैंड को उनकी एकमात्र हार दी थी। पॉल स्टर्लिंग एक बार फिर टीम को लीड कर रहे हैं, उन्होंने पिछले हर वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया है जिसमें उन्होंने हिस्सा लिया है। उनके पास अनुभवी स्पिनर जॉर्ज डॉकरेल और विकेटकीपर लोर्कन टकर जैसे खिलाड़ियों के साथ काफी अनुभव है। जोश लिटिल जब से पहली बार बॉल से चमके हैं,तब से वे कमाल कर रहे हैं, जबकि 23 साल के स्पिनर मैथ्यू हम्फ्रीज़ ने एयूई और इटली के साथ हाल के मैचों में सबका ध्यान खींचा है। ओमान ओमान एशिया और ईस्ट एशिया-पैसिफिक क्वालिफायर से आने के बाद भारत और श्रीलंका में चौथी बार आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप स्टेज पर उतरेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

छत्तीसगढ़ के 10 जिलों में बनेगी एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स

रायपुर,04 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ में ड्रग्स की तस्करी करने वाले और नशे से जुड़े नेटवर्क पर सरकार ने सख्ती दिखाई है। 10 जिलों में नशा विरोधी टास्क फोर्स का गठन होगा, जो ड्रग्स से जुड़े क्राइम को रोकने और अपराधियों को पकड़ने का काम करेगी। बुधवार (4 फरवरी) को कैबिनेट बैठक में यह फैसला लिया गया है। वहीं, बैठक में नवाचार व स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति को मंजूरी मिली है। इसके साथ ही 35 हाउसिगं बोर्ड को नगर निगम को सौंपने का फैसला लिया गया है। प्रदेश में अब पायलटों को उड़ान की ट्रेनिंग देने पर भी सरकार विचार कर रही है।

10 जिलों में बनेगी नशा विरोधी टास्क फोर्स,100 नए पद मंजूर...

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंत्रालय महानदी भवन में हुई कैबिनेट बैठक में नशे के बढ़ते खतरे को देखते हुए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। प्रदेश के 10 जिलों में जिला स्तरीय नशा विरोधी टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। इसके लिए 100 नए पदों को मंजूरी दी गई है। इन जिलों में रायपुर, महासमुंद,बिलासपुर,दुर्ग,बस्तर,सरगुजा, कबीरधाम,जशपुर,राजनांदगांव और कोरबा शामिल हैं। इस फैसले से नशे के कारोबार पर निगरानी और कार्रवाई मजबूत होगी।

पुलिस के लिए बनेगा विशेष अभियान समूह,44 नए पद स्वीकृत

कैबिनेट ने पुलिस मुख्यालय के तहत विशेष अभियान समूह के गठन को मंजूरी दी है। इसके लिए 44 नए पद स्वीकृत किए गए हैं। यह टीम किसी भी बड़ी या अचानक हुई घटना में तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति संभालने,आतंकी हमला या गंभीर खतरे को तेजी से नियंत्रित करने का काम करेगी। यह पूरी तरह प्रशिक्षित विशेष बल होगा।

छत्तीसगढ़ में पायलट प्रशिक्षण की सुविधा,उड़ान प्रशिक्षण संस्थान की मंजूरी

राज्य के अलग-अलग हवाई अड्डों और हवाई पट्टियों पर उड़ान प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इससे छत्तीसगढ़ में ही पायलट बनने की ट्रेनिंग मिल सकेगी। यह संस्थान निजी भागीदारी से स्थापित किया जाएगा। इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा और विमान मरम्मत,हेलीकॉप्टर ईंधन सुविधा और हवाई खेल गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

नवाचार व स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति को मंजूरी

कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ नवाचार एवं स्टार्टअप प्रोत्साहन नीति 2025-26 को मंजूरी दी है। इस नीति से नए उद्यमों,इनक्यूबेशन केंद्रों और नवाचार से जुड़े लोगों को समर्थन मिलेगा। राज्य की स्टार्टअप रैंकिंग में सुधार होगा और निवेश के नए अवसर बनेंगे।

35 आवासीय कॉलोनियां नगर निगमों को सौंपी जाएंगी,लोगों को राहत..

सरकार ने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल और रायपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बनाई गई और पूरी हो चुकी 35 आवासीय कॉलोनियों को नगर निगम और नगर पालिकाओं को सौंपने का फैसला लिया है। अब तक हस्तांतरण न होने से लोगों को दोहरा खर्च उठाना पड़ रहा था। कॉलोनियां नगर निकायों को सौंपे जाने के बाद पानी, सड़क, बिजली और सफाई जैसी सुविधाएं सीधे मिलेंगी और अतिरिक्त रखरखाव शुल्क से राहत मिलेगी।

नवा रायपुर में बनेगा बहुमंजिला सरकारी भवन...

नवा रायपुर अटल नगर में सरकारी विभागों और निगम मंडलों के कार्यालयों के लिए एक बड़ा बहुमंजिला भवन बनाया जाएगा। इसमें विभागों को स्थान आवंटित किया जाएगा,जिससे भूमि का बेहतर उपयोग हो सके।

सिरपुर और अरपा क्षेत्र में भूमि आवंटन अधिकार कलेक्टर को मिलेगा..

सिरपुर और अरपा क्षेत्र में योजनाबद्ध विकास के लिए शासकीय भूमि के आवंटन का अधिकार जिला कलेक्टरों को दिया गया है। विकास कार्यों को तेज करने के लिए भूमि एक रुपए प्रीमियम और भू-भाटक पर दी जाएगी।

प्रदेश में लागू होगी क्लाउड आधारित नीति,सरकारी डेटा रहेगा सुरक्षित...

कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ क्लाउड आधारित नीति को लागू करने की मंजूरी दी है। इसके तहत सभी सरकारी विभाग केवल भारत सरकार से मान्यता प्राप्त क्लाउड सेवा प्रदाताओं से ही सेवाएं लेंगे। इससे खर्च कम होगा, साइबर सुरक्षा मजबूत होगी और नागरिकों को 24 घंटे सेवाएं मिल सकेंगी।

मोबाइल टावर योजना को मंजूरी, दूरस्थ और नक्सल प्रभावित इलाकों को मिलेगा नेटवर्क

राज्य में डिजिटल ढांचे को मजबूत करने के लिए मोबाइल टावर योजना को मंजूरी दी गई है। इस योजना से नेटवर्क विहीन गांवों में मोबाइल टावर लगाए जाएंगे। इससे राशन वितरण, सीधे लाभ हस्तांतरण, स्वास्थ्य, शिक्षा और आपातकालीन सेवाओं की पहुंच दूर-दराज के इलाकों तक होगी और सुरक्षा व्यवस्था भी बेहतर होगी।

कवर्धा : धान खरीदी में लापरवाही पर डिप्टी सीएम शर्मा सख्त..

कवर्धा के जिला विपणन अधिकारी अभिषेक मिश्रा सस्पेंड...

रायपुर,04 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ में धान खरीदी के बीच लापरवाही बरतने वाले अफसरों पर गाज गिरना शुरू हो गई है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के सख्त रुख के बाद कबीरधाम के जिला विपणन अधिकारी अभिषेक मिश्रा को सस्पेंड कर दिया गया है। बुधवार को रायपुर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने साफ कहा कि किसानों के हक पर डाका डालने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि धान संग्रहण केंद्रों में गड़बड़ी करने वालों पर जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किसानों की सहूलियत के लिए धान खरीदी की तारीख बढ़ा दी है ताकि कोई भी पात्र किसान वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि एक तरफ सरकार पारदर्शिता के लिए ऑनलाइन सिस्टम चला रही है वहीं दूसरी ओर कुछ केंद्रों से लापरवाही की खबरें आ रही हैं। कवर्धा संग्रहण केंद्र में धान कम पाए जाने के मामले को उन्होंने गंभीरता से लिया है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि वे मुख्यमंत्री से आग्रह करेंगे कि प्रदेश में जहां भी ऐसी लापरवाही दिखे,वहां के जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त से सख्त एक्शन लिया जाए। इधर राज्य सहकारी विपणन संघ के एमडी जितेन्द्र शुक्ला ने निलंबन आदेश जारी करते हुए बताया कि अभिषेक मिश्रा ने मीडिया के सामने बिना तथ्यों की जांच किए गलत जानकारी दी। इस बयानबाजी से शासन और प्रशासन की छवि खराब हुई है। जितेन्द्र शुक्ला ने स्पष्ट किया कि यह कर्मचारी सेवा नियमों का उल्लंघन है इसलिए मिश्रा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। निलंबन के दौरान उनका मुख्यालय बिलासपुर तय किया गया है। सूत्रों का कहना है कि संग्रहण केंद्रों में धान के रखरखाव में भारी खामियां मिली हैं जिसकी गाज अब धीरे-धीरे अन्य छोटे-बड़े अधिकारियों पर भी गिर सकती है।

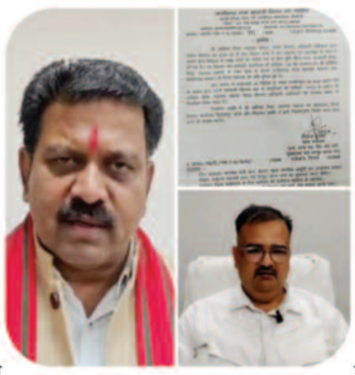

7 फरवरी को छत्तीसगढ़ आएंगे अमित शाह

रायपुर में हाईलेवल मीटिंग करेंगे,फाइनल स्ट्रैटेजी बनेगी,पंडुम महोत्सव में भी होंगे शामिल

रायपुर,04 फरवरी 2026। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह 7 फरवरी को छत्तीसगढ़ दौरे पर रहेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार, वे शनिवार की रात रायपुर पहुंचेंगे। अगले दिन रविवार को नक्सलवाद की स्थिति को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। इसके बाद अमित शाह बस्तर के लिए निकलेंगे,जहां वे पंडुम महोत्सव के समापन कार्यक्रम में शामिल होंगे। अमित शाह का दौरा ऐसे वक्त हो रहा है। जब केंद्र सरकार की तरफ से तय की गई 31 मार्च 2026 नक्सलवाद खात्मे की डेडलाइन नजदीक आ चुकी है। खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस समयसीमा का सार्वजनिक ऐलान किया था। शाह का 2 महीने में ये दूसरा छत्तीसगढ़ दौरा है।

नक्सल डेडलाइन को दो महीने बाकी

दरअसल, छत्तीसगढ़ समेत नक्सल प्रभावित इलाकों में सुरक्षाबल लगातार अभियान चला रहे हैं। अब डेडलाइन में करीब दो महीने का ही समय बाकी है। ऐसे में अमित शाह का यह दौरा नक्सल विरोधी अभियानों की दिशा और आगे की रणनीति के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे शाह...

तय कार्यक्रम के अनुसार, अमित शाह 5 फरवरी को देश के दौरे पर निकलेंगे। 7 फरवरी को रायपुर पहुंचेंगे। इस दौरान वे छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद को लेकर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक करेंगे। जिसे अधिकारी 31 मार्च की डेडलाइन से पहले की अंतिम सुरक्षा समीक्षा के तौर पर देख रहे हैं। अमित शाह की यह बैठक राज्य और केंद्र की सुरक्षा एजेंसियों के लिए बेहद निर्णायक मानी जा रही है। बैठक में छत्तीसगढ़,तेलंगाना,महाराष्ट्र और ओडिशा से जुड़े नक्सल प्रभावित इलाकों की सुरक्षा स्थिति,ऑपरेशन की प्रगति और इंटेलिजेंस इनपुट्स पर चर्चा होने की संभावना है। खासतौर पर बस्तर संभाग में चल रहे एंटी-नक्सल ऑपरेशनों की समीक्षा इस बैठक का प्रमुख एजेंडा रहेगा।

बस्तर में अंदरूनी दौरा कर सकते हैं शाह : बताया जा रहा है कि, अमित शाह इस दौरान बस्तर इलाके का दौरा भी कर सकते हैं। यह दौरा होता है, तो वे जमीनी स्तर पर तैनात सुरक्षाबलों और अधिकारियों से सीधे फीडबैक लेंगे। पिछले कुछ महीनों में बस्तर और उससे सटे इलाकों में नक्सल विरोधी अभियानों में तेजी आई है। कई बड़े नक्सल ऑपरेशन को अंजाम दिया गया है। इस दौरे को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि केंद्र सरकार ने 31 मार्च तक नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक परिणाम हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। ऐसे में यह समीक्षा बैठक आगे की रणनीति और ऑपरेशनल दिशा तय करने वाली मानी जा रही है।

इससे पहले जम्मू-कश्मीर में करेंगे बैठक : छत्तीसगढ़ आने से पहले अमित शाह जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करेंगे। वहां भी वे उच्चस्तरीय बैठक कर हालिया सुरक्षा हालात और आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे। इसके बाद वे सीधे छत्तीसगढ़ के लिए रवाना होंगे।

सुसाइड कर रहे युवक का पैर टूटा ओवरब्रिज से कूदकर जान देने की कोशिश

दुर्ग,04 फरवरी 2026। भिलाई नगर निगम का एक कर्मचारी आत्महत्या करने दुर्ग के धमधा नाका ओवरब्रिज पर पहुंचा। काफी देर तक यहीं पर भटकता रहा और अचानक से ब्रिज से नीचे रेल पटरी पर कूद गया। करीब 20 फीट की उंचाई से नीचे कूदने पर उसकी जान तो बच गई, लेकिन उसका पैर टूट गया है। जब स्थानीय लोगों ने उसे आत्महत्या करने की वजह पूछी तो वो रोने लगा और कहने लगा कि घर वाले उसे बार-बार चिढ़ाते थे और मारने की धमकी देते थे। इसकी वजह से वो आत्महत्या करने पहुंचा है। आत्महत्या करने आए निगम के कर्मचारी का नाम भानुप्रताप देशमुख,पिता कमलेश देशमुख उम्र 30 साल है। वह जेवर सिरसा वार्ड नं. 13 का रहने वाला है। भिलाई नगर निगम में सफाई कर्मचारी है। बताया जा रहा है कि यह मामला जीआरपी दुर्ग का है। घायल अवस्था में युवक को जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा गया है। जहां पर उसका इलाज जारी है। घायल भानुप्रताप ने बताया कि उसके घर वाले उसे बार-बार मेंटल बोलते थे इसलिए मैं मरने के लिए आया था। वहीं बताया कि मेरे मामा के लड़के लोग डॉन भेजे थे मेरे लिए। उन लोग मुझे चिढ़ाते रहते हैं कि गन रखा अपने पास, जबकि वो गन नहीं है चिड़िया भगाने वाला लिया था मैं।

सूटकेस से 17 लाख का गांजा बरामद यात्री बस से 2 महिला तस्कर गिरफ्तार

धमतरी,04 फरवरी 2026। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले के अंतर्राज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों से आने-जाने वाले वाहनों एवं संदिग्ध व्यक्तियों की सतत निगरानी एवं सघन चेकिंग की जा रही है। इसी कड़ी में थाना बोराई क्षेत्र अंतर्गत चेक पोस्ट बोराई में लगातार वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। 4 फरवरी 2026 की रात्रि लगभग 12.30 बजे वाहन चेकिंग के दौरान यात्री बस 'नरेश' क्रमांक सीजी-07-ई-4433,जो कोरापुट (उड़ीसा) से रायपुर (छत्तीसगढ़) जा रही थी, को रोककर चेक किया गया। बस में लोवर बर्थ क्रमांक 23 एवं 24 में बैठी दो महिलाएं संदिग्ध अवस्था में पाई गई, जिनके पास तीन ट्रॉली बैग रखे हुए थे। संदेह होने पर दोनों महिलाओं को बस से उतारकर गवाहों की उपस्थिति में उनके ट्रॉली बैग की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान तीन सूटकेस में कुल 08 बंडलों में रखा मादक पदार्थ गांजा बरामद हुआ। बरामद गांजे का कुल वजन 35 किलो 783 ग्राम पाया गया,जिसकी अनुमानित बाजार कीमत 17,89,150/- रूपए (सत्रह लाख नवासी हजार एक सौ पचास रुपये) है। उक्त मादक पदार्थ को विधिवत जप्त किया गया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध थाना बोराई में धारा 20(बी),29 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई है। आरोपियों को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है।

शराब घोटाला...एक साल बाद रिहा हुए पूर्व मंत्री कवासी लखमा

पत्नी बोलीं...अब अच्छा लग रहा,कार्यकर्ताओं संग गाड़ी पर सवार होकर निकले, सड़क पर लगा लंबा जाम

रायपुर,04 फरवरी 2026। 379 दिन बाद पूर्व मंत्री कवासी लखमा रायपुर सेंट्रल जेल से बाहर आ गए हैं। लखमा के जेल से बाहर निकलते ही कार्यकर्ताओं-नेताओं ने फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया। इसके बाद कांग्रेस नेता गिरीश देवांगन से गले मिले। फिर लखमा ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। कवासी गाड़ी पर सवार होकर निकले। गाड़ी में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी सवार रहे। इस दौरान सड़क पर लंबा जाम लग गया।

जेल से निकलकर वे अपने आवास के लिए रवाना हुए। इस बीच कवासी लखमा की पत्नी बुधरी ने बातचीत की। उन्होंने कहा कि पति की रिहाई कब होगी सोच-सोच कर वे दुबली-पतली हो गई। खाना-पीना कम हो गया था। आज अच्छा लग रहा है। दरअसल, छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। प्रवर्तन निदेशालय और आर्थिक अपराध शाखा से जुड़े मामलों में उनकी अंतरिम जमानत मंजूर की गई है। हालांकि, जमानत की शर्तों के तहत लखमा को छत्तीसगढ़ से बाहर रहना होगा, हालांकि कोर्ट में पेशी के दौरान वे छत्तीसगढ़ आ सकेंगे। इसके अलावा उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और अपना वर्तमान पता और मोबाइल नंबर संबंधित पुलिस थाने में दर्ज कराना अनिवार्य होगा। ईडी ने कवासी लखमा को 15 जनवरी 2025 को गिरफ्तार किया था। ईडी ने रिमांड पर उनसे 7 दिन पूछताछ की थी। इसके बाद 21 जनवरी से 4 फरवरी तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। उसके बाद से ही कवासी लखमा रायपुर सेंट्रल जेल में बंद थे। भाजपा प्रवक्ता अमित चिमनानी ने कहा कि कवासी लखमा आज जमानत पर रिहा हुए। ना दीपक बैज, ना भूपेश बघेल, न चरणदास महंत, ना टीएस बाबा कोई जेल रिसीव करने नहीं पहुंचा। हर किसी का जलवा बिट्टू जी जैसा कहां?

आने वाले समय में दूध का दूध और पानी का पानी होगा : लखमा

कवासी लखमा ने कहा... कि एक साल 20 दिन बाद जेल से बाहर आने का मौका मिला है। इसके लिए मैं सबसे पहले देश की न्यायपालिका और सुप्रीम कोर्ट को बधाई देता हूं। मैं एक गरीब आदिवासी हूं,बस्तर की आवाज हूं और बस्तर के जल-जंगल-जमीन के मुद्दे उठाता रहा हूं। मैं करीब 100 दिन जेल में रहा, इसलिए न्याय व्यवस्था पर मेरा भरोसा और मजबूत हुआ है। मैं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल,प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज,चरणदास महंत,टीएस सिंहदेव और पार्टी के सभी वरिष्ठ नेताओं का धन्यवाद करता हूं। मुझे न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और पूरी उम्मीद है कि आने वाले समय में दूध का दूध और पानी का पानी होगा। जेल में रहते हुए मैंने देखा कि छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने टीवी और अखबारों में खुले तौर पर मेरे समर्थन में बयान दिया। इसके लिए मैं उनका दिल से धन्यवाद करता हूं मैं जब तक रहूंगा,बस्तर के जल-जंगल-जमीन की लड़ाई लड़ता रहूंगा। मैं डॉ. रमन सिंह से भी मुलाकात करूंगा और उनसे आग्रह करूंगा कि मुझे विधानसभा में अपनी बात रखने का मौका दिया जाए,ताकि मैं आदिवासियों और उनके अधिकारों की आवाज मजबूती से उठा सकूं।

कांग्रेसियों कार्यकर्ताओं ने किया कलेक्ट्रेट का घेराव.....

दीपक बैज बोले...धान नहीं बिकने से किसान परेशान,दो दिन का समय पर्याप्त नहीं

बालोद,04 फरवरी 2026। जिला मुख्यालय में आज पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एकदिवसीय आमसभा आयोजित कर रैली निकाली और कलेक्ट्रेट का घेराव किया। बड़ी संख्या में जुटे कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आमसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि मनरेगा योजना का नाम बदलने की आड़ में सरकार इस योजना को धीरे-धीरे बंद करना चाहती है। उन्होंने कहा कि मनरेगा करोड़ों लोगों की आजीविका का सहारा है और कांग्रेस इसे कमजोर नहीं होने देगी। धान खरीदी के मुद्दे पर भी दीपक बैज ने राज्य सरकार को किसान विरोधी बताते हुए कहा कि धान खरीदी के लिए दो दिन बढ़ाना काफी नहीं है। किसानों का रकबा कम कर दिया गया है। खरीदी केंद्रों में लिमिट तय कर दी गई है, जिससे किसान अपनी उपज बेच नहीं पा रहे हैं। अभी भी 35 लाख मिट्रिक टन धान खरीदना बाकी है। लाखों किसान धान नहीं बेच पाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों के कारण किसान परेशान हैं। बैज ने स्पष्ट कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ खड़ी है और किसानों के अधिकारों के साथ किसी भी तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

एंटी करप्शन ब्यूरो एक्शन मोड में

नायब तहसीलदार और पटवारी की गिरफ्तारी से राजस्व विभाग में हड़कंप

जांजगीर,04 फरवरी 2026। जिले के पामगढ़ तहसील कार्यालय में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने नायब तहसीलदार और एक पटवारी को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए ट्रैप किया गया। जानकारी के अनुसार,आरोपियों ने चोरभट्ठी गांव के धान खरीदी प्रभारी से काम के एवज में रिश्वत की मांग की थी। पीड़ित ने इसकी शिकायत एंटी करप्शन ब्यूरोसे की, जिसके बाद सत्यापन कराया गया। शिकायत सही पाए जाने परएंटी करप्शन ब्यूरोने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान पामगढ़ तहसील कार्यालय में नायब तहसीलदार और पटवारी को रिश्वत की रकम स्वीकार करते हुए पकड़ा गया। एंटी करप्शन ब्यूरोकी टीम ने मौके से रिश्वत की राशि बरामद कर दोनों को हिरासत में ले लिया। एंटी करप्शन ब्यूरो अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है। इस कार्रवाई से तहसील कार्यालय और जिले में हड़कंप मच गया है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)